website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 126 | पेज: 8 | जयपुर, गुरुवार, 16 अप्रैल 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

कर्नाटक में PM नरेंद्र मोदी ने श्री गुरु भैरवैक्य मंदिर का किया उद्घाटन, बोले— 'यह पल हमेशा याद रहेगा'

मांड्या/कर्नाटक। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कर्नाटक के मांड्या जिले स्थित श्री क्षेत्र आदिचुंचनगिरि में श्री गुरु भैरवैक्य मंदिर का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने काल भैरव मंदिर में पूजा-अर्चना की और ऐतिहासिक ज्वालापीठ में भी समय बिताया। इस पावन अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने भावुक होते हुए कहा कि आज उनका मन ऐसे भावों से भरा है, जिन्हें शब्दों में व्यक्त करना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि इस पवित्र स्थल पर बिताया गया हर पल और संतों का सानिध्य उनके लिए जीवनभर यादगार रहेगा। प्रधानमंत्री ने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत हजारों वर्षों से एक जीवंत सभ्यता रहा है। उन्होंने श्री आदिचुंचनगिरि मठ की लगभग 2000 वर्षों पुरानी परंपरा को आध्यात्मिक और सांस्कृतिक धरोहर का जीवंत उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि समय-समय पर संत और महापुरुष समाज को

दिशा देने का काम करते हैं और लोगों को कठिनाइयों से बाहर निकालने का मार्ग दिखाते हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने बताया कि आयुष्मान भारत योजना के तहत करोड़ों गरीबों को मुफ्त इलाज मिल चुका है। साथ ही अब 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को भी इस योजना में शामिल किया गया है। प्रधानमंत्री ने आदिचुंचनगिरि मठ के महास्वामीजी के योगदान को याद करते हुए शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में उनके कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों से खासकर ग्रामीण और गरीब वर्ग के लोगों को काफी लाभ मिला है। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने नौ अहम आग्रह भी रखे। उन्होंने जल संरक्षण, 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान, स्वच्छता, 'वोकल फॉर लोकल', घरेलू पर्यटन, प्राकृतिक खेती, मिलेट्स को अपनाने, खाने में तेल की मात्रा कम करने, योग और खेल को जीवन में शामिल करने तथा जरूरतमंदों की सेवा करने की अपील की। अंत में उन्होंने कहा कि यदि इन संकल्पों पर ईमानदारी से अमल किया जाए, तो विकसित कर्नाटक और विकसित भारत का सपना जल्द साकार हो सकता है।

महिला आरक्षण पर INDIA गठबंधन का विरोध, बोला-"बिल नहीं, तरीके और परिसीमन पर आपत्ति"

नई दिल्ली । महिला आरक्षण को लेकर सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस की अगुवाई वाले INDIA गठबंधन ने साफ कर दिया है कि वह संसद में आने वाले संशोधन विधेयक का विरोध करेगा। हालांकि गठबंधन ने यह भी स्पष्ट किया कि वह महिला आरक्षण के खिलाफ नहीं, बल्कि बिल लाने के तरीके और उसकी टाइमिंग से असहमत है। नई दिल्ली में हुई बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि सभी दल महिला आरक्षण के पक्ष में हैं, लेकिन जिस तरह से सरकार यह विधेयक ला रही है, वह राजनीति से प्रेरित लगता है। उन्होंने कहा कि गठबंधन ने खास तौर पर परिसीमन से जुड़े प्रावधानों का विरोध करने का फैसला किया है। इस अहम बैठक में राहुल गांधी, के. सी. वेणुगोपाल, जयराम रमेश, तेजस्वी यादव, संजय राउत, सुप्रिया सुले, संजय सिंह समेत कई विपक्षी नेता शामिल हुए। वहीं अखिलेश यादव ने डिजिटल माध्यम से अपनी भागीदारी दर्ज कराई। बैठक के बाद जयराम रमेश ने कहा कि विपक्षी दल चाहते हैं कि 2029 तक महिला आरक्षण लागू हो, लेकिन परिसीमन के मौजूदा प्रस्ताव का वे पूरी तरह विरोध करेंगे। दरअसल, सरकार लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33%

आरक्षण देने के लिए नया विधेयक लाने की तैयारी में है। इसके तहत लोकसभा सीटों की संख्या 543 से बढ़ाकर करीब 850 करने और नई परिसीमन प्रक्रिया लागू करने का प्रस्ताव है। विपक्ष का कहना है कि महिला आरक्षण के नाम पर परिसीमन को जोड़ना सही नहीं है और इससे राजनीतिक संतुलन प्रभावित हो सकता है। इसलिए गठबंधन ने संसद में इस मुद्दे पर एकजुट होकर सरकार को घेरने की रणनीति बनाई है। कुल मिलाकर, महिला आरक्षण पर सहमति के बावजूद इसके लागू करने के तरीके को लेकर सरकार और विपक्ष आमने-सामने आ गए हैं, जिससे संसद में इस मुद्दे पर तीखी बहस के आसार हैं।

बिहार में पीएम मोदी और नीतीश के मॉडल पर ही होगा काम - सीएम सम्राट चौधरी

पटना। बिहार की सियासत में बड़ा बदलाव देखने को मिला, जब सम्राट चौधरी ने बुधवार को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। पटना स्थित लोक भवन में आयोजित समारोह में उनके साथ विजय कुमार चौधरी और विजेंद्र यादव ने भी उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण की। शपथ लेने के बाद मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने साफ कहा कि बिहार में अब विकास का रास्ता नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार के मॉडल पर ही आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि उनका मुख्य लक्ष्य राज्य को समृद्ध बनाना और विकास की रफ्तार को तेज करना है। नई सरकार के गठन के बाद उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने भी भरोसा जताते हुए कहा कि बिहार पहले से तय विकास और सुशासन के रास्ते पर आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार द्वारा स्थापित मॉडल को और मजबूत किया जाएगा। वहीं, विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव के बयान पर पलटवार करते हुए डिप्टी सीएम ने तीखा जवाब दिया और उनकी शिक्षा को लेकर सवाल उठाए। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने सम्राट चौधरी को अनुभवी और तेजतर्रार नेता बताते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में राज्य में शहरी विकास और बुनियादी ढांचे को नई गति

मिलेगी। सैयद शाहनवाज हुसैन ने इसे NDA के लिए गर्व का पल बताया और कहा कि यह सरकार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के एजेंडे को आगे बढ़ाएगी। वहीं रामकृपाल यादव ने विश्वास जताया कि सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बिहार विकास के नए आयाम छुएगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी, आरएलएम प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा और कांग्रेस नेता अजीत शर्मा समेत कई नेताओं ने भी उन्हें शुभकामनाएं दीं और बेहतर शासन की उम्मीद जताई। जेडीयू नेताओं लेशी सिंह और उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि यह भाजपा नहीं बल्कि NDA का मुख्यमंत्री है और सरकार साझा एजेंडे पर काम करेगी। भाजपा सांसद राजीव प्रताप रूडी ने इसे "पीढ़ीगत बदलाव" बताया, जबकि राधामोहन सिंह ने कहा कि बिहार अब तेजी से विकास की दिशा में आगे बढ़ेगा। कुल मिलाकर, नई सरकार से जनता को विकास, सुशासन और स्थिरता की बड़ी उम्मीदें हैं, और अब देखना होगा कि सम्राट चौधरी इन उम्मीदों पर कितना खरा उतर पाते हैं।

राजस्थान में गर्मी का कहर: बाड़मेर सबसे गर्म, हीटवेव का अलर्ट जारी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान में गर्मी ने अब अपना तेज रूप दिखाना शुरू कर दिया है। पिछले 24 घंटों में राज्य के कई जिलों में तापमान में तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिससे जनजीवन प्रभावित होने लगा है। बाड़मेर 41.6 डिग्री सेल्सियस के साथ प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा, जबकि कोटा 41.5 डिग्री तापमान के साथ दूसरे स्थान पर रहा। मौसम के बदलते तेवरों के बीच जैसलमेर, चूरू और चित्तौड़गढ़ जैसे जिलों में भी तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच गया है। पश्चिमी राजस्थान में दिन के समय गर्म हवाएं चलने लगी हैं, जिससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। तेज धूप और साफ आसमान के कारण दिन का तापमान लगातार बढ़ रहा है। जयपुर स्थित मौसम केंद्र ने चेतावनी जारी करते हुए बताया है कि 17 अप्रैल से राज्य के कुछ हिस्सों में हीटवेव की स्थिति बन सकती है। खासतौर पर श्रीगंगानगर, जैसलमेर और बाड़मेर में लू चलने की संभावना जताई गई है। वहीं 18 अप्रैल को भी श्रीगंगानगर और बाड़मेर में येलो अलर्ट जारी रहेगा। हालांकि, शाम के समय कुछ जिलों में मौसम में हल्का बदलाव देखने को मिला। झुंझुनू, सीकर और अलवर में हल्के बादल छाने और ठंडी हवाएं चलने से लोगों को थोड़ी राहत मिली। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में तापमान और बढ़ने की संभावना जताई है। लोगों को सलाह दी गई है कि वे दोपहर के समय बाहर निकलने से बचें, पर्याप्त पानी पिएं और गर्मी से बचाव के जरूरी उपाय अपनाएं।

राजस्थान सरकार का बड़ा फैसला

अब निजी होटलों में नहीं होंगे सरकारी कार्यक्रम, सियासत गरमाई

जयपुर। राजस्थान की भजन लाल शर्मा सरकार ने राज्य में होने वाले सरकारी कार्यक्रमों को लेकर बड़ा निर्णय लिया है। अब सभी सरकारी कार्यक्रम केवल सरकारी भवनों में ही आयोजित किए जाएंगे। महंगे होटल या अन्य निजी स्थानों पर आयोजन पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। इस फैसले के बाद प्रदेश की सियासत में हलचल तेज हो गई है। सरकार का कहना है कि यह निर्णय फिजूल खर्ची पर रोक लगाने और सरकारी संसाधनों के बेहतर उपयोग के लिए लिया गया है। निर्देश के अनुसार, अब किसी भी विभाग को निजी स्थल पर कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति नहीं होगी। केवल विशेष परिस्थितियों में ही मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति से मंजूरी लेनी होगी। सरकार के मुताबिक राज्य में पर्याप्त सरकारी भवन और आयोजन स्थल उपलब्ध हैं, ऐसे में बाहर कार्यक्रम कराने पर अनावश्यक खर्च होता है। इसी को ध्यान में रखते हुए यह सख्त कदम उठाया गया है। वहीं, इस फैसले पर कांग्रेस ने सवाल खड़े किए हैं। रफीक खान ने कहा कि अगर सरकार

खर्च बचाना चाहती है तो मुख्यमंत्री के हवाई दौरों पर होने वाले खर्च को भी कम करना चाहिए। उनका आरोप है कि राज्य की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है और सरकार इस तरह के फैसले लेकर हालात छिपाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने सरकार से वित्तीय स्थिति पर श्वेत पत्र जारी करने की मांग भी की। दूसरी ओर, सरकार की तरफ से जवाहर सिंह बेढम ने कांग्रेस के आरोपों को खारिज किया है। उन्होंने कहा कि सरकार जनता के पैसे का सही उपयोग करना चाहती है और यह फैसला उसी दिशा में उठाया गया कदम है। साथ ही उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के कार्यकाल पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि पिछली सरकार में सरकारी धन का दुरुपयोग हुआ था। कुल मिलाकर, सरकार का यह फैसला जहां खर्च में कटौती और संसाधनों के बेहतर इस्तेमाल की दिशा में उठाया गया कदम बताया जा रहा है, वहीं विपक्ष इसे राज्य की कमजोर आर्थिक स्थिति से जोड़ रहा है। आने वाले समय में यह मुद्दा राजनीतिक बहस का बड़ा विषय बना रह सकता है।

दार्जिलिंग मुद्दे पर अमित शाह का ममता सरकार पर हमला, बोले— तीन बार ठुकराए बैठक के प्रस्ताव

नई दिल्ली । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार पर दार्जिलिंग हिल्स के मुद्दों को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि गोरखा समुदाय की मांगों और क्षेत्रीय समस्याओं पर चर्चा के लिए उनके तीन प्रस्ताव राज्य सरकार ने ठुकरा दिए। शाह के मुताबिक, पिछले डेढ़ साल में दार्जिलिंग, कलिम्पोंग और कुर्सेओंग क्षेत्रों के मुद्दों पर बातचीत के लिए तीन बार बैठक का प्रस्ताव भेजा गया, लेकिन हर बार राज्य सरकार ने इसे अस्वीकार कर दिया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इस विषय पर चर्चा के लिए कोलकाता सरकार ने नई दिल्ली में कोई प्रतिनिधि तक नहीं भेजा। बुधवार को अमित शाह को दार्जिलिंग के लेबोंग ग्राउंड में एक जनसभा को संबोधित करना था, लेकिन खराब मौसम के कारण उनका हेलीकॉप्टर वहां उतर नहीं सका। ऐसे में रैली में उनका करीब सात मिनट का वीडियो संदेश चलाया गया। अपने संदेश में उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी नहीं चाहतीं कि दार्जिलिंग के गोरखाओं को उनका हक

और न्याय मिले। उन्होंने भरोसा दिलाया कि 5 मई को अगर राज्य में भाजपा की सरकार बनती है, तो गोरखाओं की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से किया जाएगा। साथ ही गोरखालैंड आंदोलन से जुड़े मामलों को वापस लेने का भी वादा किया। रैली में शामिल न हो पाने पर खेद जताते हुए शाह ने कहा कि वे 21 अप्रैल को फिर दार्जिलिंग जिले के सुकना का दौरा करेंगे, जो चुनाव प्रचार का अंतिम दिन होगा। उन्होंने दावा किया कि इस बार पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत निश्चित है और इसके साथ ही अवैध घुसपैठ, भ्रष्टाचार और गुंडागर्दी का अंत होगा।

'4 मई को बदलाव तय', ममता सरकार पर अनुराग ठाकुर का बड़ा हमला

नई दिल्ली । पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही सियासी माहौल गर्म हो गया है। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोलते हुए दावा किया कि 4 मई को राज्य में राजनीतिक बदलाव तय है। मीडिया से बातचीत में अनुराग ठाकुर ने पश्चिम बंगाल की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि राज्य में हालात बिगड़ चुके हैं और आम लोग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार अवैध गतिविधियों को बढ़ावा दे रही है और तुष्टीकरण की राजनीति कर रही है। ठाकुर ने ममता सरकार पर बांग्लादेशी घुसपैठ, नकली नोटों के रैकेट और फर्जी आधार कार्ड बनाने वालों को संरक्षण देने का भी आरोप लगाया। साथ ही उन्होंने दावा किया कि महिलाओं के खिलाफ अपराध करने वालों को भी बचाया जा रहा है। रोजगार के मुद्दे पर भी उन्होंने राज्य सरकार को घेरा। अनुराग ठाकुर के मुताबिक, पश्चिम बंगाल के लोगों के लिए बने रोजगार के अवसर बाहरी लोगों को दिए जा रहे हैं, जिससे स्थानीय युवाओं के साथ अन्याय हो रहा है। अपने बयान को

और तीखा करते हुए उन्होंने कहा, "राज्य में तुष्टीकरण की राजनीति हावी है और 4 मई को ममता बनर्जी की विदाई तय है।" इस दौरान नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की योजनाओं का जिक्र करते हुए ठाकुर ने कहा कि उज्ज्वला योजना, नल जल, मुफ्त राशन, स्वास्थ्य सेवाएं और स्वच्छता अभियानों से महिलाओं को बड़ा फायदा मिला है और करोड़ों लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। महिला आरक्षण को लेकर उन्होंने कहा कि सरकार लोकसभा और विधानसभाओं में 33% आरक्षण लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है और 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले इसे लागू करने की तैयारी है। इसके लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की योजना भी बनाई जा रही है। गौरतलब है कि महिला आरक्षण अधिनियम 2023 पहले ही पारित हो चुका है, लेकिन जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया पूरी न होने के कारण इसके लागू होने में देरी हो रही है। प्रस्ताव के अनुसार, लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाकर करीब 850 करने और एक-तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करने की योजना है।

इंदौर में 'वंदे मातरम' विवाद ने पकड़ा तूल: दो महिला पार्षदों पर FIR

इंदौर। इंदौर में 'वंदे मातरम' गान को लेकर शुरू हुआ विवाद अब कानूनी रूप ले चुका है। 8 अप्रैल को नगर निगम के बजट सम्मेलन के दौरान हुए विरोध के मामले में पुलिस ने कांग्रेस की दो महिला पार्षदों—रुबीना इकबाल खान और फौजिया शेख अलीम—के खिलाफ एमजी रोड थाने में एफआईआर दर्ज की है। बताया जा रहा है कि बजट सत्र के दौरान दोनों पार्षदों ने 'वंदे मातरम' गान का विरोध करते हुए धार्मिक कारणों का हवाला दिया था। उनका कहना था कि इस्लाम में अन्य धर्मों की पूजा या गुणगान की अनुमति नहीं है। इस बयान के बाद मामला तूल पकड़ गया और शहर की राजनीति गरमा गई। इस मुद्दे पर भाजपा पार्षद दल ने कड़ा विरोध जताया और इसे राष्ट्र का अपमान बताया। भाजपा नेताओं ने पहले संभागायुक्त को शिकायत दी, जिसके बाद थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई। निगम सभापति मुन्नालाल यादव सहित कई

पार्षदों ने पुलिस के सामने बयान दर्ज कराते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने दोनों पार्षदों को थाने बुलाकर करीब चार-चार घंटे तक अलग-अलग पूछताछ की। अधिकारियों का कहना है कि मामले को गंभीरता से लिया जा रहा है और सभी पहलुओं की बारीकी से जांच की जा रही है, ताकि साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा सके। इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 196(1) और 3(5) के तहत केस दर्ज किया गया है, जो गैर-जमानती धाराएं हैं। ऐसे में दोनों पार्षदों की गिरफ्तारी की संभावना भी बनी हुई है। फिलहाल पुलिस जांच में जुटी है और आगे की कार्रवाई साक्ष्यों के आधार पर की जाएगी।

नोएडा बवाल के बीच CM योगी आदित्यनाथ का संदेश: बाहरी हस्तक्षेप से बचें, श्रमिकों को दी नसीहत

यूपी। नोएडा में हाल ही में हुए श्रमिकों के उग्र प्रदर्शनों के बाद उत्तर प्रदेश सरकार एक्शन मोड में नजर आ रही है। इसी बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रमिकों और कर्मचारियों से अपील की है कि वे अपने कार्यस्थल पर किसी भी बाहरी व्यक्ति को हस्तक्षेप न करने दें। उन्होंने कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए कृतज्ञता का भाव जरूरी है और समूह की ताकत से ही व्यक्ति और देश दोनों आगे बढ़ते हैं। लखनऊ में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि श्रमिकों का योगदान देश के विकास में अहम है। उन्होंने युवाओं और कामगारों से अपनी पहचान बनाए रखते हुए आगे बढ़ने की अपील की।

नया वेज बोर्ड बनेगा, श्रमिकों के वेतन का होगा पुनर्निर्धारण

प्रदेश सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए 2014 के बाद पहली बार नया वेज बोर्ड गठित करने का ऐलान किया है। यह निर्णय नोएडा में हुए बवाल के बाद हाईपावर कमेटी की सिफारिशों के आधार पर लिया गया है। वेज बोर्ड न्यूनतम मजदूरी की मूल दरों को तय करता है, लेकिन पिछले कई वर्षों से इसके अभाव में केवल महंगाई भत्ता ही बढ़ाया जा रहा था। अब मई में बनने

वाले नए वेज बोर्ड की सिफारिशों के आधार पर श्रमिकों के वेतन की मूल दरों का नए सिरे से निर्धारण किया जाएगा, जिससे लाखों श्रमिकों को सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है।

उपद्रवियों पर सख्ती, सैकड़ों हिरासत में

नोएडा और ग्रेटर नोएडा में हुए प्रदर्शनों के दौरान हिंसा और अव्यवस्था फैलाने वालों पर सरकार ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने करीब 100 लोगों को हिरासत में लिया है और लगभग 2000 उपद्रवियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। सेक्टर-74 स्थित सुपरटेक केपटाउन सोसाइटी के पास घरेलू सहायिकाओं और सुरक्षा गार्डों ने प्रदर्शन किया, जिसे पुलिस और अधिकारियों के समझाने के बाद शांत कराया गया। वहीं ग्रेटर नोएडा के ईकोटेक-1 और कासना क्षेत्र में हालात काबू में करने के लिए पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा। पथराव की घटनाओं में एसीपी समेत कई पुलिसकर्मी घायल हुए, जबकि 16 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। कुल मिलाकर, सरकार एक ओर जहां श्रमिकों के हित में फैसले ले रही है, वहीं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सख्ती भी बरत रही है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

बिहार : भाजपा के सामने बेहतर करने की चुनौती

बिहार की सियासत एक अहम मोड़ पर खड़ी है। पहली बार भारतीय जनता पार्टी अपने दम पर सत्ता की बागडोर संभालने जा रही है। यह क्षण केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि राजनीतिक नैरेटिव के बदलाव का भी संकेत है। अब तक सहयोगी की भूमिका में रही भाजपा के सामने अब नेतृत्व की जिम्मेदारी है—और यही उसकी सबसे बड़ी परीक्षा भी होगी। सबसे बड़ी चुनौती विपक्ष नहीं, बल्कि नीतीश कुमार की स्थापित 'सुशासन' की विरासत है। पिछले दो दशकों में उन्होंने बिहार को 'जंगलराज' की छवि से बाहर निकालकर विकास के रास्ते पर आगे बढ़ाया। अब तक तुलना 'जंगलराज बनाम सुशासन' के बीच होती थी, जिससे थोड़ी उपलब्धियां भी बड़ी नजर आती थीं। लेकिन अब भाजपा के काम की तुलना सीधे 'सुशासन' से होगी। ऐसे में भाजपा के सामने 'अच्छा' नहीं, बल्कि 'और बेहतर' साबित करने की चुनौती है। नई नेतृत्व टीम में सम्राट चौधरी की भूमिका बेहद अहम होगी। उनके सामने सबसे बड़ी जिम्मेदारी प्रशासनिक निरंतरता और नवाचार के बीच संतुलन बनाने की है। बिहार जैसे राज्य में, जहां अभी भी बुनियादी ढांचे, रोजगार और शिक्षा के क्षेत्र में काफी काम बाकी है, वहां केवल घोषणाओं से काम नहीं चलेगा—जमीन पर परिणाम दिखाने होंगे। इसके साथ ही, बिहार की राजनीति में सामाजिक और जातिगत समीकरणों की अहमियत को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। खासकर कुर्मी समुदाय जैसे वर्गों को साधना भाजपा के लिए बड़ी चुनौती रहेगा। यहां राजनीति केवल विचारधारा पर नहीं, बल्कि जमीनी सामाजिक संतुलन पर भी टिकी होती है। ऐसे में हर निर्णय सोच-समझकर लेना होगा, क्योंकि इसका असर व्यापक सामाजिक ढांचे पर पड़ता है। भाजपा के लिए एक सकारात्मक पहलू यह है कि केंद्र और राज्य में एक ही पार्टी की सरकार होने से तालमेल का लाभ मिल सकता है। अगर सही रणनीति अपनाई जाए, तो इंफ्रास्ट्रक्चर, उद्योग और निवेश के क्षेत्र में तेज गति से विकास संभव है। लेकिन इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति के साथ-साथ प्रशासनिक दक्षता भी जरूरी होगी। अंततः, यह बदलाव भाजपा के लिए एक बड़ा अवसर भी है और कठिन परीक्षा भी। अवसर इसलिए कि वह अपने नेतृत्व और नीतियों के जरिए बिहार को नई दिशा दे सकती है, और परीक्षा इसलिए कि उसे पहले से स्थापित मानकों से ऊपर उठकर दिखाना होगा। अब तुलना 'जंगलराज बनाम सुशासन' से आगे बढ़कर 'सुशासन बनाम बेहतर सुशासन' की होगी—और इसका सीधा फायदा जनता को मिलेगा। अगर भाजपा इस कसौटी पर खरी उतरती है, तो यह न सिर्फ उसके लिए, बल्कि बिहार के विकास के लिए भी एक नए दौर की शुरुआत होगी। लेकिन अगर वह अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतरी, तो यही ऐतिहासिक अवसर एक बड़ी राजनीतिक चुनौती में बदल सकता है।

उच्च-मूल्य वाले चिकित्सा विज्ञान

भारत की औषधि रणनीति पैमाने से नवाचार की ओर बढ़ रही

जगत प्रकाश नड्डा

वैश्विक स्तर पर, कुल औषधि राजस्व में बायोलॉजिक, बायोसिमिलर और विशेष दवाओं की हिस्सेदारी 40 प्रतिशत से अधिक हो गयी है। लंबे समय से जेनरिक दवाओं में अग्रणी देश होने के कारण विश्व की फ़ार्मेसी के रूप में प्रसिद्ध भारत का औषधि उद्योग अब पैमाने से नवाचार की ओर आगे बढ़ने के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, भारत सरकार भविष्य के अनुरूप एक नीतिगत रूपरेखा को गति दे रही है, ताकि देश जेनरिक दवाओं में अपनी मजबूत स्थिति बनाए रखते हुए इन उभरते क्षेत्रों में अधिक हिस्सेदारी प्राप्त कर सके। केंद्रीय बजट 2026-27 में10,000 करोड़ के मिशन बायोफार्मा निर्माण शक्ति की घोषणा इस दिशा में एक निर्णायक कदम को रेखांकित करती है। यह अगले 8 से 10 वर्षों में भारत को बायोफार्मा नवाचार और उच्च मूल्य वाली चिकित्सा सेवाओं के वैश्विक केन्द्र बनाने के देश के संकल्प का संकेत देती है। यह विज़न गहरी वैज्ञानिक क्षमताओं के निर्माण, नवाचार-आधारित उद्यमों को बढ़ावा देने और भारत को अगली पीढ़ी की दवाओं के क्षेत्र में एक अग्रणी देश के रूप में उभरने में सक्षम बनाने पर आधारित होगा।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य बायोलॉजिक्स, बायोसिमिलर और उन्नत चिकित्सीय क्षेत्रों में घरेलू क्षमताओं को गति देना है। यह कार्यक्रम औषधि विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग और जैव प्रौद्योगिकी विभाग की मौजूदा पहलों का पूरक है, जैसे फार्मा मेडटेक क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना (पीआरआईपी), अनुसंधान विकास और नवाचार योजना, बायोनेस्ट आदि, जिनका उद्देश्य जैव-औषधि समेत जीवन विज्ञान क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देना है। ये पहलें भारत के नवाचार इकोसिस्टम को मजबूत करने, उद्योग-अकादमी सहयोग को बढ़ावा देने तथा जेनेरिक दवाओं से नवाचार संचालित दवा अनुसंधान और विकास की ओर बदलाव को सक्षम करने के लिए डिज़ाइन की गई हैं। इस रणनीति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ किण्वन-आधारित निर्माण क्षमताओं का विकास करना है। एंटिबायोटिक, वैक्सीन, एंज़ाइम और बायोलॉजिक्स के निर्माण में इसकी महत्त्वपूर्ण भूमिका के बावजूद, यह क्षेत्र लंबे समय से आयात पर निर्भर रहा है। अवसंरचना में निवेश करके, प्रौद्योगिकी विकास और हस्तांतरण को सुविधाजनक बनाकर तथा लक्षित प्रोत्साहन प्रदान करके, भारत इस रणनीतिक क्षेत्र में घरेलू क्षमता का निर्माण करने और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए काम कर रहा है। भारत के नैदानिक अनुसंधान इकोसिस्टम का विस्तार भी समान रूप से महत्वपूर्ण है। 1,000 मान्यता प्राप्त नैदानिक प्रयोग केंद्र स्थापित किये जायेंगे, जो वैश्विक दवा विकास गंतव्य के रूप में भारत की स्थिति को बेहतर बनायेंगे। अपनी लागत लाभ और कुशल शोधकर्ताओं की बढ़ती संख्या के साथ, भारत कुशल और उच्च गुणवत्ता वाले नैदानिक प्रयोग के लिए असाधारण अवसर प्रदान करता है। साथ ही, नियामक व्यवस्था को मजबूत करने और संस्थागत क्षमताओं को बढ़ाने से भारत की मौजूदा व्यवस्था वैश्विक मानकों के अधिक अनुरूप होगी, जिससे तेज अनुमोदन संभव होंगे और वैश्विक हितधारकों के बीच विश्वास बढ़ेगा। पिछले कुछ वर्षों में, भारत ने पीएलआई और थोक दवा (बल्क ड्रग) पार्क योजनाओं के सहारे सक्रिय औषधि सामग्री (एपीआई) और मुख्य आरंभिक सामग्रियों (केएसएम) के स्थानीय उत्पादन में तेज़ी से प्रगति हुई है। इससे देश में दवाओं की कीमतें घटाने में मदद मिली है, जो विश्व स्तर पर सबसे कम कीमतों में से एक है और इसके कारण नागरिकों के लिए स्वास्थ्य देखभाल की लागत किफायती बनी रहती है। प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना ने सस्ती कीमतों पर गुणवत्ता युक्त जेनेरिक दवाओं तक पहुंच का विस्तार किया है, जिसके तहत 19,000 से अधिक जनऔषधि केंद्र लाखों लोगों की सेवा कर रहे हैं। कैंसर और दुर्लभ रोगों की दवाओं जैसी महत्वपूर्ण चिकित्सा प्रक्रियाओं पर सीमा-शुल्क को सुव्यवस्थित करने जैसे पूरक उपाय जीवन रक्षक उपचारों तक पहुंच को और सुलभ बना रहे हैं। जैसे-जैसे उन्नत चिकित्सा प्रक्रियाएं अधिक व्यापक होंगी, किफायती दर और समान पहुंच सुनिश्चित करना केंद्रीय नीति की प्राथमिकता बनी रहेगी। जैसे-जैसे उद्योग विकसित हो रहा है, भारत का उद्देश्य न केवल स्थापित बाजारों में बल्कि उभरते क्षेत्रों में, विशेष रूप से नवाचार-संचालित क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति को मजबूत करना है। सुधार, इस बदलाव के केंद्र में हैं। नियामक समन्वय, अनुमोदन प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण और तेजी से मंजूरी जैसे प्रयास व्यापार करने में आसानी को बढ़ा रहे हैं। गुणवत्ता मानकों और नियामक प्रक्रियाओं को सुदृढ़ बनाने से भारतीय औषधि उत्पादों पर वैश्विक विश्वास की निरंतरता सुनिश्चित होती है। हालांकि, आरएंडडी निवेश बढ़ाना एक प्रमुख चुनौती बनी हुई है। इसका समाधान करने के लिए, सार्वजनिक-निजी सहयोग को मजबूती देना आवश्यक होगा, ताकि दीर्घकालिक नवाचार को बनाए रहा जा सके। नीतिगत समर्थन, तकनीकी प्रगति और बाजार का आपसी समन्वय, औषधि क्षेत्र के लिए विकास का एक अद्वितीय अवसर प्रस्तुत करता है। भारत का घरेलू बाजार, जिसका मूल्य पहले से ही 4 लाख करोड़ से अधिक है, निरंतर विस्तार के लिए तैयार है। अगले दशक में, भारत न केवल जेनेरिक दवाओं में एक अग्रणी देश के रूप में, बल्कि नवोन्मेषी दवाओं, किण्वन-आधारित उत्पादों और अगली पीढ़ी की चिकित्सा-सेवाओं में भी एक शक्तिशाली केंद्र के रूप में उभरने के लिए बेहतर स्थिति में है। निष्कर्ष के तौर पर, भारत का औषधि क्षेत्र नए चरण में प्रवेश कर रहा है, जो नवाचार, सुदृढ़ता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा द्वारा परिभाषित होता है। बायोफार्मा शक्ति कार्यक्रम जैसी पहलों, नैदानिक अवसंरचना के विस्तार और लक्षित निर्माण प्रोत्साहनों के समर्थन से, भारत धीरे-धीरे मात्रा-संचालित जेनेरिक दवा केंद्र से उच्च-मूल्य वाले बायोफार्मा नवाचार अग्रणी देश की ओर आगे बढ़ रहा है। यह परिवर्तन, वैश्विक स्वास्थ्य देखभाल में भारत की भूमिका को मजबूत करने और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विज़न, विकसित भारत 2047 के व्यापक लक्ष्यों को हासिल करने में केंद्रीय भूमिका निभाएगा।

प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना ने सस्ती कीमतों पर गुणवत्ता युक्त जेनेरिक दवाओं तक पहुंच का विस्तार किया है, जिसके तहत 19,000 से अधिक जनऔषधि केंद्र लाखों लोगों की सेवा कर रहे हैं। कैंसर और दुर्लभ रोगों की दवाओं जैसी महत्वपूर्ण चिकित्सा प्रक्रियाओं पर सीमा-शुल्क को सुव्यवस्थित करने जैसे पूरक उपाय जीवन रक्षक उपचारों तक पहुंच को और सुलभ बना रहे हैं। जैसे-जैसे उन्नत चिकित्सा प्रक्रियाएं अधिक व्यापक होंगी, किफायती दर और समान पहुंच सुनिश्चित करना केंद्रीय नीति की प्राथमिकता बनी रहेगी। जैसे-जैसे उद्योग विकसित हो रहा है, भारत का उद्देश्य न केवल स्थापित बाजारों में बल्कि उभरते क्षेत्रों में, विशेष रूप से नवाचार-संचालित क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति को मजबूत करना है। सुधार, इस बदलाव के केंद्र में हैं। नियामक समन्वय, अनुमोदन प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण और तेजी से मंजूरी जैसे प्रयास व्यापार करने में आसानी को बढ़ा रहे हैं। गुणवत्ता मानकों और नियामक प्रक्रियाओं को सुदृढ़ बनाने से भारतीय औषधि उत्पादों पर वैश्विक विश्वास की निरंतरता सुनिश्चित होती है। हालांकि, आरएंडडी निवेश बढ़ाना एक प्रमुख चुनौती बनी हुई है। इसका समाधान करने के लिए, सार्वजनिक-निजी सहयोग को मजबूती देना...

जनगणना
रमेश जायभाये

'हमारी जनगणना-हमारा विकास' के संकल्प के साथ छत्तीसगढ़ तैयार

क्या आपने कभी सोचा है कि आपके घर की छोटी-सी जानकारी- जैसे पानी, बिजली या परिवार के सदस्यों का विवरण-देश के विकास में कितना बड़ा योगदान दे सकती है? दरअसल, हर नागरिक की दी गई जानकारी मिलकर ही भारत के भविष्य की दिशा तय करती है। इसी कड़ी में वर्ष 2027 की जनगणना एक खास पड़ाव बनने जा रही है। यह केवल एक सरकारी प्रक्रिया नहीं, बल्कि बदलते भारत की एक नई कहानी है-एक ऐसी कहानी जिसमें हर नागरिक की भागीदारी है। इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल अंदाज में होगी, जो इसे पहले की सभी जनगणनाओं से अलग और अधिक आधुनिक बनाती है। छत्तीसगढ़ में इस महाअभियान को लेकर तैयारियाँ तेजी से पूरी की जा रही हैं। वातावरण ऐसा है मानो कोई बड़ा जनउत्सव आने वाला हो-और वास्तव में, यह एक ऐसा अभियान है जिसमें हर व्यक्ति की भागीदारी बेहद महत्वपूर्ण है।

कहानी शुरू होती है इतिहास से : भारत में जनगणना की शुरुआत 1872 में हुई थी और 1881 से इसे पूरे देश में व्यवस्थित रूप से लागू किया गया। स्वतंत्रता के बाद 1951 में पहली जनगणना आयोजित हुई, जिसने देश के विकास की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाई। अब वर्ष 2027 की जनगणना इस ऐतिहासिक यात्रा का आधुनिक रूप है। यह न केवल देश की वर्तमान स्थिति का आकलन करेगी, बल्कि भविष्य की योजनाओं की नींव भी तैयार करेगी। छत्तीसगढ़ में यह प्रक्रिया दो चरणों में पूरी होगी-पहला चरण अप्रैल-मई 2026 में और दूसरा फरवरी-मार्च 2027 में आयोजित किया जाएगा। राज्य के लिए संदर्भ तिथि 1 मार्च 2027 (रात 12 बजे) निर्धारित की गई है, जिसके आधार पर प्रत्येक व्यक्ति की गणना की जाएगी।

अब आपकी बारी: खुद करें अपनी जनगणना!- इस बार जनगणना की सबसे रोचक और उपयोगी सुविधा है-स्व-गणना (**Self-Enumeration**)।

अब आप स्वयं अपने घर और परिवार की जानकारी ऑनलाइन भर सकते हैं। 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 के बीच **https://se.census.gov.in** पोर्टल पर जाकर मोबाइल नंबर और ओटीपी के माध्यम से लॉगिन कर यह प्रक्रिया पूरी की जा सकती है। आपसे परिवार के सदस्यों की संख्या, उनकी आयु, शिक्षा, व्यवसाय और घर की सुविधाओं से जुड़े कुछ सरल प्रश्न पूछे जाएंगे। पूरी जानकारी भरने के बाद आपको एक **SE ID** प्राप्त होगी। जब प्रगणक आपके घर आएंगे, तो केवल यह **ID** दिखानी होगी और आपकी जानकारी सत्यापित कर ली जाएगी- यानी बार-बार जानकारी देने की आवश्यकता नहीं होगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जनगणना के दौरान किसी भी प्रकार के दस्तावेज दिखाने की आवश्यकता नहीं होती। आप जो जानकारी देंगे, वही दर्ज की जाएगी। स्व-गणना के प्रति लोगों का रुझान भी तेजी से बढ़ रहा है- देशभर में लाखों परिवार इस सुविधा का उपयोग कर चुके हैं, जो इस डिजिटल पहल की बढ़ती स्वीकार्यता को दर्शाता है।

स्मार्ट तकनीक, सटीक आंकड़े और भरोसेमंद प्रक्रिया : इस बार जनगणना पूरी तरह तकनीक के सहारे संचालित होगी। प्रगणक मोबाइल ऐप के माध्यम से डेटा दर्ज करेंगे, जिससे काम तेज और अधिक सटीक होगा। साथ ही, आधुनिक **GIS** आधारित डिजिटल मैपिंग का उपयोग कर हर क्षेत्र और गणना ब्लॉक को स्पष्ट रूप से चिन्हित किया जा रहा है, ताकि कोई भी घर या व्यक्ति छूट न जाए। डेटा के बेहतर प्रबंधन और निगरानी के लिए उन्नत डिजिटल सिस्टम का उपयोग किया जा रहा है, जिससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और व्यवस्थित बनी रहती है। एक महत्वपूर्ण बदलाव के रूप में, इस बार जाति संबंधी आंकड़ों का भी समावेश किया जाएगा, जो दशकों बाद समाज की व्यापक तस्वीर प्रस्तुत करेगा। जनगणना में समाज के हर वर्ग को शामिल करने का विशेष ध्यान रखा जाता है।

इसी के तहत बेघर व्यक्तियों की गणना भी अलग से, विशेष अभियान के माध्यम से की जाती है, ताकि कोई भी नागरिक इस प्रक्रिया से वंचित न रह जाए। और जहाँ तक आपकी जानकारी की सुरक्षा का सवाल है-यह पूरी तरह गोपनीय रहती है। इसे किसी अन्य विभाग या एजेंसी के साथ साझा नहीं किया जाता।

छत्तीसगढ़ तैयार, अब आपकी भागीदारी जरूरी : छत्तीसगढ़ में इस अभियान के लिए बड़े पैमाने पर तैयारियों की गई हैं। शहरों से लेकर गाँवों तक, हर क्षेत्र में जनगणना टीम सक्रिय रहेगी, ताकि कोई भी परिवार छूट न जाए। नागरिकों की सुविधा के लिए टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1855 भी जारी किया गया है, जहां किसी भी प्रकार की जानकारी या सहायता प्राप्त की जा सकती है। लेकिन इस पूरे अभियान की असली ताकत है-आपकी भागीदारी। जब आप सही जानकारी देते हैं, तो आप केवल एक फॉर्म नहीं भरते, बल्कि अपने क्षेत्र के विकास में योगदान देते हैं। आपकी दी गई जानकारी से ही तय होता है कि कहां नई सड़क बनेगी, कहाँ स्कूल खुलेगा और कहाँ स्वास्थ्य सुविधाओं की जरूरत है।

-उपनिदेशक, पत्र सूचना कार्यालय

क्रियायोग: अधिक विकसित होगी नई पीढ़ी

संकलित
दर्शन

सभी मनुष्य वस्तुतः आत्माएं ही हैं। आपके लिए मात्र जन्म के आधार पर ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं है। जिन्हें हम 'नौजवान व्यक्ति' कहते हैं, वे पुरानी आत्माएं हैं और वे प्रत्येक मनुष्य में अंतर्जात कामनाओं-सुख, सुरक्षा, प्रेम इत्यादि कामनाओं को पूर्ण करने के लिए हर प्रकार के प्रयासों और आकांक्षाओं से गुजर चुकी हैं। उन्होंने उस (पूर्ति) को प्राप्त करने के प्रयास में अनेक जन्म व्यतीत किए हैं और अंततः वे यहां आए हैं तथा जिन लोगों ने जन्म लिया है, उनमें से लाखों लोग अपने पूर्वजन्मों से विकास के उस चरण में हैं। श्रीमद्भगवद्गीता में श्रीकृष्ण इस विषय पर प्रकाश डालते हैं। वे अर्जुन से कहते हैं, 'यदि अंतिम लक्ष्य को प्राप्त किए बिना तुम्हारे इस जीवन का अंत हो जाता है तो चिंता मत करो, क्योंकि योग-ध्यान का कोई भी प्रयास व्यर्थ नहीं होता है।' तत्पश्चात उस भक्त का एक ऐसे वातावरण में पुनर्जन्म होता है, जहां वह पुनः अपनी आगे की यात्रा प्रारंभ करता है। इसलिए जिन्हें आप 'नौजवान व्यक्ति' कह रहे हैं, वे ज्ञानीजन हैं। वे संभवतः ऐसे युद्धरत आत्माएं हैं, जो हर प्रकार के अनुभव से गुजर चुके हैं और जिनकी चेतना इस प्रकार की है कि उन्होंने विभिन्न परिस्थितियों में हर तरह के कार्य किए हैं। वे पुनः लौटकर आते हैं और कहते हैं, 'अब मैं अपना और अधिक समय व्यर्थ नहीं गवाऊंगा। मैं अपने और अधिक जन्मों को व्यर्थ नहीं गवाऊंगा। मैं वह कार्य करूंगा, जो वास्तव में मेरे आत्मा की क्षमताओं और मेरे आत्मा में विद्यमान उस दिव्य संपर्क की तृष्णा की पूर्ति करेगा।'

पांच मिनट का जीवन

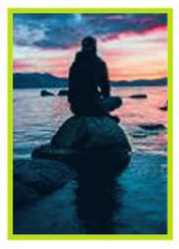

संकलित
प्रेरणा

एक बार एक व्यक्ति को रास्ते में यमराज मिल गए वो व्यक्ति उन्हें पहचान नहीं सका। यमराज ने पीने के लिए व्यक्ति से पानी मांगा, बिना एक क्षण गंवाए उसने पानी पिला दिया। पानी पीने के बाद यमराज ने बताया कि वो उसके प्राण लेने आये हैं लेकिन चूंकि तुमने मेरी प्यास बुझाई है इसलिए मैं तुम्हें अपनी किस्मत बदलने का एक मौका देता हूं। यह कहकर यमराज ने एक डायरी देकर उस आदमी से कहा कि तुम्हारे पास 5 मिनट का समय है। इसमें तुम जो भी लिखोगे वही हो जाएगा लेकिन ध्यान रहे केवल 5 मिनट। उस व्यक्ति ने डायरी खोलकर देखा तो उसने देखा कि पहले पेज पर लिखा था कि उसके पड़ोसी की लॉटरी निकलने वाली है और वह करोड़पति बनने वाला है। उसने वहाँ लिख दिया कि उसके पड़ोसी की लॉटरी न निकले। अगले पेज पर लिखा था कि उसका एक दोस्त चुनाव जीतकर मंत्री बनने वाला है, तो उसने लिख दिया कि उसका दोस्त चुनाव हार जाए। इस तरह, वह पेज पलटता रहा और अंत में उसे अपना पेज दिखाई दिया। जैसे ही उसने कुछ लिखने के लिए अपना पेन उठाया यमराज ने उस व्यक्ति के हाथ से डायरी ले ली और कहा वत्स तुम्हारा पांच मिनट का समय पूरा हुआ, अब कुछ नहीं हो सकता। तुमने अपने पूरे 5 मिनट का समय दूसरों का बुरा करने में व्यतीत कर दिया और अपना जीवन खतरे में डाल दिया, अंततः तुम्हारा अंत निश्चित है। यह सुनकर वह व्यक्ति बहुत पछताया लेकिन सुनहरा मौका उसके हाथ से निकल चुका था।

अंतर्मन

आज की पाती

बाल तस्करी पर कठोरतम कानून की आवश्यकता

देश के विभिन्न हिस्सों से लगातार सामने आ रही बाल तस्करी की घटनाएँ समाज और व्यवस्था दोनों के लिए गंभीर चेतावनी बन चुकी हैं। हाल ही में पटना-पुणे एक्सप्रेस से बिहार के अररिया जिले के 163 बच्चों को महाराष्ट्र के लातूर ले जाए जाने के दौरान कटनी रेलवे स्टेशन पर उतारा जाना इसी चिंता का एक बड़ा उदाहरण है। इन बच्चों को लेकर जा रहे आठ लोगों के विरुद्ध मानव तस्करी का मामला दर्ज कर उनकी गिरफ्तारी की गई है। आरोपितों का दावा था कि वे बच्चों को उनके अभिभावकों की सहमति से मदरसों में शिक्षा के लिए ले जा रहे थे, किंतु जिस प्रकार इतनी बड़ी संख्या में बच्चों को एक साथ दूरस्थ स्थानों पर ले जाया जा रहा था, उसने प्रशासन को संदेह करने के लिए विवश कर दिया। यह घटना केवल एक मामला नहीं है, बल्कि उस गहरी समस्या का संकेत है, जो देश के कई हिस्सों में वर्षों से पनप रही है। *-कांतिलाल मांडोत, सूरत*

ट्रेंड

बिहार का विकास

सम्राट चौधरी के बिहार में भाजपा विधायक दल के नेता चुने जाने पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। मुझे पूरा विश्वास है कि प्रधानमंत्री मोदी जी के मार्गदर्शन में बिहार के विकास का संकल्प और मजबूत होगा।
- **राजनाथ सिंह,** रक्षामंत्री

अधिकारों का हनन

डॉ. आंबेडकर ने हमें सिर्फ संविधान ही नहीं, बल्कि न्याय, समानता और गरिमा पर आधारित एक सशक्त भारत का सपना भी दिया। आज कुछ ताकतें उनकी विरासत और हमारे संविधान को कमजोर करने के लिए सुनियोजित रूप से काम कर रही हैं, अधिकारों का हनन हो रहा है।
- **राहुल गांधी,** सांसद, कांग्रेस

वाटर एटीएम

शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र में आज शुरू किए गए इन वाटर एटीएम से स्वच्छ पेयजल की सुविधा हर जरूरतमंद व्यक्ति तक पहुंचेगी। वाटर एटीएम कार्ड के माध्यम से प्रत्येक व्यक्ति को प्रतिदिन 20 लीटर शुद्ध पानी उपलब्ध कराया जाएगा।
- **रेखा गुप्ता,** सीएम, नई दिल्ली

आंबेडकर ई-पुस्तकालय

राज्य के अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए 200 आंबेडकर ई-पुस्तकालयों और जयपुर में आवासीय कोचिंग केंद्र की स्थापना की घोषणा की गई। यह पहल हमारे युवाओं के उज्ज्वल भविष्य और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में सहायक सिद्ध होगी।
- **भजनलाल शर्मा,** सीएम, राजस्थान

रॉयल पत्रिका

करंट अफेयर

नेपाल में नव वर्ष 2083 का स्वागत हर्षोल्लास के साथ

नेपाल में मंगलवार को विक्रम संवत कैलेंडर के अनुसार नव वर्ष 2083 का स्वागत हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। बैसाख 1, जिसे बैसाख संक्रांति भी कहा जाता है, विक्रम संवत (बीएस) कैलेंडर के वर्ष परिवर्तन का प्रतीक है, जो सौर गति पर आधारित सबसे प्राचीन कैलेंडरों में से एक है। इस अवसर पर लोग मंदिरों में दर्शन करते हैं, भजन-कीर्तन करते हैं, सामुदायिक कार्यक्रम आयोजित करते हैं और एक-दूसरे को शुभकामनाएं देते हैं। नेपाल के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह 'बालेन' ने इस अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं दीं। रैपर से राजनेता बने बालेन्द्र ने कहा, 'नव वर्ष 2083 के शुभारंभ के अवसर पर मैं सभी को सुख, शांति और समृद्धि की शुभकामनाएं देता हूं।' राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने अपने नव वर्ष संदेश में देश के लोगों से साझा राष्ट्रीय लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें प्राप्त करने के प्रति प्रतिबद्ध रहने का आह्वान किया। 'हिमालयन टाइम्स' की रिपोर्ट के अनुसार उपराष्ट्रपति रामसहाय प्रसाद यादव ने भी लोगों को शुभकामनाएं दीं और देशवासियों से नव वर्ष का उपयोग सकारात्मक सोच, अनुशासन और भाईचारे को बढ़ावा देने के अवसर के रूप में करने का आग्रह किया।

ऑफ बीट

बायोएक्टिव ही सब्जियों के कड़वे स्वाद का कारण

यह विकास की एक दुर्भाग्यपूर्ण विचित्रता है कि सब्जियाँ हमारे लिए बहुत अच्छी हैं लेकिन वे हम सभी के लिए तुरंत स्वादिष्ट नहीं होती हैं। हम उच्च ऊर्जा वाले खाद्य पदार्थों के मीठे या उम्दा स्वाद का आनंद लेने के लिए विकसित हुए हैं, क्योंकि भुखमरी दीर्घकालिक स्वास्थ्य की तुलना में अधिक तात्कालिक जोखिम है। सब्जियां विशेष रूप से उच्च ऊर्जा वाली नहीं होती हैं, लेकिन वे आहार फाइबर, विटामिन और खनिजों और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने वाले यौगिकों से भरपूर होती हैं जिन्हें बायोएक्टिव कहा जाता है। ये बायोएक्टिव ही सब्जियों के कड़वे स्वाद का कारण बनते हैं। पादप बायोएक्टिव, जिन्हें फाइटोन्यूट्रिएंट्स भी कहा जाता है, पौधों द्वारा पर्यावरणीय तनाव और शिकारियों से खुद को बचाने के लिए बनाए जाते हैं। वही चीज़ें जो पौधों के खाद्य पदार्थों को कड़वा बनाती हैं, वही चीज़ें उन्हें हमारे लिए अच्छा बनाती हैं। दुर्भाग्य से, कड़वा स्वाद हमें जहरों से और संभवतः एक ही पौधे को अधिक खाने से बचाने के लिए विकसित हुआ, तो एक तरह से, पादप खाद्य पदार्थों का स्वाद जहर जैसा हो सकता है। हममें से कुछ के लिए, यह कड़वी अनुभूति विशेष रूप से तीव्र है, और दूसरों के लिए यह इतनी बुरी नहीं है। यह आंशिक रूप से हमारे जीन के कारण है।

महिला सुरक्षा एवं सम्मान के लिए हमारी सरकार सजग एवं संवेदनशील - भजनलाल शर्मा

-संसद एवं विधानसभा में महिलाओं को मिलेगा 33 प्रतिशत आरक्षण

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नारी शक्ति वंदन अधिनियम एक ऐतिहासिक कदम है, इससे महिलाओं की राजनीति में सहभागिता बढ़ेगी। इस अधिनियम से संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा एवं शिक्षा, सुरक्षा, नीति निर्माण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर महिलाओं की सीधी भागीदारी होगी। उन्होंने कहा कि इस अधिनियम के माध्यम से प्रधानमंत्री के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में महिलाएं और अधिक योगदान निभा सकेंगी। शर्मा बुधवार को बिडला ऑडिटोरियम में नारी शक्ति वंदन सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मानना है कि हमारा समाज और देश तभी प्रगति करेगा, जब महिलाएं हर क्षेत्र में भागीदारी निभाएंगी। हमारी सनातन संस्कृति में महिला सशक्तीकरण पर विशेष जोर दिया गया है। हमारी संस्कृति में हर क्षेत्र में महिलाओं को हमेशा आगे रखा गया है। उन्होंने कहा कि ये आधी आबादी घर को संभालने के साथ ही देश-प्रदेश के विकास में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रही है। आज महिलाएं स्टार्टअप, शिक्षा, खेल, पुलिस से लेकर विज्ञान सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं।

प्रधानमंत्री ने नारी शक्ति को बनाया राष्ट्रीय प्रगति का आधार-

मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महिला सशक्तीकरण की दिशा में अभूतपूर्व कार्य किए हैं। प्रधानमंत्री ने वर्ष 2014 के बाद महिलाओं के उत्थान को प्राथमिकता देते हुए जन धन योजना, नमो ड्रोन दीदी योजना और लखपति दीदी जैसी कई योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक

रूप से सशक्त कर नारी शक्ति को राष्ट्र की प्रगति का आधार बनाया है। उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के माध्यम से बालिका लिंगानुपात बढ़ा है तथा स्वच्छ भारत अभियान के माध्यम से घर-घर शौचालय बनाकर माता-बहनों को सम्मान दिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत महिलाओं के नाम पर मकान आवंटित किए जाते हैं। वहीं, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन भी दिए गए हैं तथा स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालयों का निर्माण करवाकर महिलाओं की गरिमा सुनिश्चित की गई है।

लखपति दीदी योजना से 20 लाख से अधिक महिलाओं को मिला प्रशिक्षण-

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और उनके सशक्तीकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश में 20 लाख से अधिक महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदान कर 16 लाख से अधिक लखपति दीदी बनाई गईं। साथ ही, लाडो प्रोत्साहन योजना से अब तक 6 लाख 50 हजार से अधिक बालिकाओं को लाभान्वित किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि हमने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत दी जाने वाली 5 हजार रुपये की राशि को बढ़ाकर 6 हजार 500 रुपये किया है। मा वाउचर योजना से गर्भवती महिलाओं को निःशुल्क सोनोग्राफी की सुविधा मिल रही है। अब तक 4 लाख महिलाओं को लाभान्वित किया जा चुका है।

महिलाओं को मिला भयमुक्त और सुरक्षित वातावरण-

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला सुरक्षा के लिए 600 कालिका पेट्रोलिंग यूनिट तथा 65 एंटी रोमियो स्क्वॉड का गठन किया गया है। हमारी सरकार के कार्यकाल में महिला अपराधों के मामलों में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने मुख्यमंत्री रसोई गैस सब्सिडी योजना के तहत अब तक एक हजार करोड़ रूपये से अधिक की सब्सिडी दी है। महिला दिवस और रक्षाबंधन पर निशुल्क यात्रा की सुविधा के साथ गार्गी पुरस्कार, साईकिल वितरण, स्कूटी वितरण जैसी योजनाओं से बालिकाओं को शिक्षा ग्रहण करने में मदद दी जा रही है।

कलम बिकेगी नहीं, झुकेगी नहीं

चाटुकारिता पर प्रहार, जयपुर धरने से उठा पत्रकार एकता का बिगुल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजधानी में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की साख पर सवाल खड़े हो रहे हैं—और यह सवाल बाहर से नहीं, बल्कि भीतर से उठ रहे हैं। राजस्थान की राजधानी के शहीद स्मारक पर जारी पत्रकारों के आंदोलन ने अब एक नई बहस को जन्म दे दिया है—पत्रकारिता बनाम चाटुकारिता।जहां एक ओर प्रदेशभर के पत्रकार अपने हक, सम्मान और सुरक्षा के लिए धरने पर डटे हैं, वहीं दूसरी ओर कुछ तथाकथित "बड़े" मीडिया संस्थान और कलमकार सत्ता की चौखट पर नतमस्तक नजर आ रहे हैं। सवाल सीधा है—क्या पत्रकारिता अब सच की आवाज है या सत्ता का प्रवक्ता? धरने में शामिल पत्रकारों का साफ कहना है कि पत्रकारिता कोई दुकान नहीं, बल्कि एक तपस्या है। यह जनता और प्रशासन के बीच सेतु है—न कि सत्ता की चापलूसी का माध्यम। जो लोग जनता की आवाज को दबाकर सिर्फ अधिकारियों और सरकार की भाषा बोलते हैं, वे पत्रकार नहीं, बल्कि "चाटुकारिता के ठेकेदार" बन चुके हैं। सबसे बड़ा दर्द इस बात का है कि जयपुर जैसे मीडिया के गढ़ में,

जहां बड़े-बड़े अखबार और चैनल मौजूद हैं, वहीं अपने ही साथियों के संघर्ष को पन्नों और स्क्रीन से गायब कर दिया गया है। सरकार की हर छोटी-बड़ी गतिविधि को हेडलाइन बनाने वाले ये संस्थान अपने ही परिवार के पत्रकारों की लड़ाई को "नजरअंदाज" कर रहे है यह चुप्पी ही सबसे बड़ा सवाल बन चुकी है। आंदोलनकारी पत्रकारों ने तीखे शब्दों में चेताया है कि सत्ता के लालच में जो लोग अपने जमीर को गिरवी रख रहे हैं, उन्हें यह समझ लेना चाहिए कि यह दौर हमेशा नहीं रहेगा। आज जो अपने साथियों की आवाज दबा रहे हैं, कल वही खुद भी इसी अन्याय का शिकार बन सकते हैं।पत्रकारों ने एक स्वर में कहा"अगर आज हम बिखरे, तो कल हमें कोई नहीं बचाएगा। लेकिन अगर आज हम एकजुट हुए, तो सत्ता को भी झुकना पड़ेगा।"धरना स्थल से यह भी संदेश दिया जा रहा है कि सरकार यदि फूट डालने की नीति अपनाकर पत्रकारों को कमजोर करने की कोशिश कर रही है, तो यह रणनीति ज्यादा दिन नहीं चलेगी। विज्ञापनों और दबाव की राजनीति के जरिए सच्चाई को दबाने का प्रयास अंततः असफल ही होगा। अब वक्त आ गया है—या तो कलम अपनी असली धार दिखाएगी, या फिर इतिहास में "चाटुकारिता" के एक काले अध्याय के रूप में दर्ज हो जाएगी।

पत्रकारों के धरने पर सवाल से बचे भाजपा प्रदेशाध्यक्ष, कांग्रेस पर फोड़ा ठीकरा

मोहम्मद अली पठान

जयपुर/चूरू (रॉयल पत्रिका)। राजधानी में पिछले 17–18 दिनों से चल रहे पत्रकार संगठन आईएफडब्ल्यूजे के धरने को लेकर जब भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ से वरिष्ठ पत्रकार अरूण जोशी ने सीधा सवाल किया, तो संतोषजनक जवाब देने के बजाय उन्होंने मुद्दे को टालते हुए कांग्रेस पर ही हमला बोल दिया। प्रदेशाध्यक्ष से उम्मीद थी कि वे पत्रकारों के लंबे समय से चल रहे आंदोलन पर स्पष्ट रुख रखेंगे, लेकिन उन्होंने सवाल का जवाब देने के बजाय कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में पत्रकारों के दमन का हवाला देते हुए अपनी जिम्मेदारी से किनारा कर लिया। सवाल से बचाव, जवाब में राजनीतिक पलटवार पत्रकारों के धरने को लेकर पूछे गए सीधे सवाल पर मदन राठौड़ ने न तो धरने के समाधान पर कोई ठोस बात कही और न ही आंदोलनरत पत्रकारों की मांगों पर स्पष्ट रुख अपनाया। इसके बजाय उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि पूर्व सरकार के समय पत्रकारों के साथ अन्याय हुआ। इस जवाब को लेकर पत्रकार जगत में नाराजगी देखी जा रही है, क्योंकि मौजूदा मुद्दे पर जवाब देने के बजाय पुराने राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप को आगे बढ़ाया गया।

संजय मार्केट में भीषण आग:

टायर गोदाम से चार मंजिला इमारत तक फैली लपटें, 2 घंटे बाद पाया काबू

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के लालकोठी थाना इलाके स्थित संजय मार्केट में उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब एक टायर गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी विकराल थी कि कुछ ही देर में लपटें पास की चार मंजिला इमारत तक पहुंच गईं, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। मकान मालिक फरदीन कुरैशी के अनुसार, गोदाम के पास टायर पकाने का काम किया जाता है, जिससे आग लगने की आशंका जताई जा रही है। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि पास में भट्टी

जलाने की लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ। जिस इमारत में आग फैली, उसके ऊपरी हिस्से में एक परिवार रह रहा था और वहां गैस सिलेंडर भी मौजूद थे। समय रहते सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। घटना की जानकारी मिलते ही आदर्श नगर विधायक रफीक खान भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने हालात का जायजा लिया और कहा कि मामले की जांच की जा रही है। साथ ही रिहायशी इलाकों में इस तरह के खतरनाक कार्यों पर सख्ती बरतने की बात कही। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है और आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

जयपुर में एडीबी द्वारा एनवायरमेंटल एण्ड सोशल फ्रेमवर्क पर ओरिएंटेशन कार्यशाला आयोजित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। एडीबी समर्थित परियोजनाओं से जुड़े निष्पादन एवं क्रियान्वयन एजेंसियों को पर्यावरण एवं सामाजिक मानकों की आधारभूत समझ प्रदान करने के उद्देश्य से एडीबी के एनवायरमेंटल एण्ड सोशल फ्रेमवर्क (ईएसएफ) पर दो दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यशाला का बुधवार को जयपुर में शुभारम्भ हुआ। एडीबी के इंडिया रेजिडेंट मिशन की कंट्री डायरेक्टर सुश्री मियो ओका ने वर्चुअल माध्यम से की नोट स्पीच दिया। प्रमुख शासन सचिव (वित्त) वैभव गालरिया ने राज्य में सतत् एवं जवाबदेही परियोजना क्रियान्वयन के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यशाला में स्थानीय निकाय, वन और पीएचईडी विभाग, जेएमआरसी व डीएमआरसी के अधिकारी एवं परियोजना से जुड़े हितधारक भाग ले रहे हैं, जिसका उद्देश्य आधारभूत परियोजनाओं के क्रियान्वयन की क्षमता को सुदृढ़ करना है। वैभव गालरिया ने कहा कि एडीबी अपने निरंतर वित्तीय एवं तकनीकी सहयोग के माध्यम से राजस्थान में शहरी अवसंरचना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने बताया कि हाल ही में एडीबी कंट्री डायरेक्टर और राजस्थान सरकार के मुख्य सचिव के मध्य जयपुर मेट्रो परियोजना को लेकर चर्चा हुई। उन्होंने बताया कि इस परियोजना के लिए एडीबी द्वारा 6,000 करोड़ रुपये से अधिक की ऋण सहायता प्रदान की जा रही है। राज्य सरकार का एडीबी के साथ शहरी विकास क्षेत्र में 25 वर्षों से अधिक का दीर्घकालिक सहयोग रहा है। आरयूआईडीपी ने अपने पंचम चरण की परियोजनाएं प्रारंभ कर दी हैं, जो राज्य के शहरों में शहरी अवसंरचना एवं सर्विस डिलीवरी को और सुदृढ़ करेंगी। कार्यशाला में एडीबी के सेफगार्ड्स कार्यालय, आईएनआरएम से कार्लीतो रुफो जूनियर एवं सुश्री शाश्वती द्वारा सत्र लिए जा रहे हैं, जिनमें पर्यावरण एवं सामाजिक जोखिम मूल्यांकन, हितधारक सहभागिता तथा परियोजना डिजाइन एवं क्रियान्वयन में सेफगार्ड्स के समावेशन पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। इस कार्यशाला में 50 से अधिक प्रतिभागियों को दस पर्यावरण एवं सामाजिक मानकों (ईएसएस) के बारे में जानकारी दी गई, जिसे केस स्टडी और व्यवहारिक कार्यान्वयन पर चर्चा के माध्यम से समझाया गया। एनवायरमेंटल एण्ड सोशल फ्रेमवर्क का उद्देश्य लोगों और पर्यावरण को प्रतिकूल प्रभावों से सुरक्षित रखना, सतत विकास सुनिश्चित करना तथा परियोजना की तैयारी और क्रियान्वयन के दौरान जोखिमों का प्रभावी प्रबंधन करना है।

राज्यपाल ने 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के विचार आलोक में राज्यों के निवासियों से किया संवाद

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। लोकभवन में बुधवार को हिमाचल प्रदेश, बिहार, ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, दादर एवं नगर हवेली तथा दमन दीव का स्थापना दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने इस दौरान इन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के निवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनसे संवाद किया। राज्यपाल ने कहा कि लोक भवन में राज्यों के स्थापना दिवस 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की संकल्पना को अनुभूत करना है। उन्होंने कहा कि भारत के राज्य विविधता में एकता की अनूठी संस्कृति लिए है। उन्होंने हिमाचल को भारत का भाल बताते हुए कहा कि हिमाचल तीर्थ भूमि है और राजनीतिक रूप से भी यह राज्य आरंभ से समृद्ध रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार प्राचीन भारत की संस्कृति से जुड़ा है। यहीं से सम्राट अशोक ने विश्वभर में शांति का संदेश पहुंचाया। यहीं भगवान महावीर का जन्म हुआ, गुरु गोविन्दं सिंह का जन्म हुआ और यह राज्य पाटलीपुत्र के रूप में समृद्ध भारत का सदा से प्रतिनिधित्व करता रहा है। उन्होंने ओडिशा, अरूणाचल, मिजोरम, दादर एवं नगर हवेली और दमन-दीव से जुड़े इतिहास की चर्चा करते हुए कहा कि भारत राज्यों की विशेषताओं से ही विश्व की समृद्ध संस्कृति का राष्ट्र बना है। राज्यपाल ने स्थापना दिवस पर विभिन्न राज्यों के लोगों से संवाद करते हुए उन्हें राजस्थान के विकास में भी अपनी भागीदारी निभाने का आह्वान किया। उन्होंने स्थापना दिवस से संबंधित राज्यों की समृद्ध संस्कृति, वीरता और ऐतिहासिक धरोहर को नमन करते हुए 'विकसित भारत' में सभी की समान भूमिका का भी आह्वान किया। इससे पहले विभिन्न राज्यों का प्रतिनिधित्व करते हुए वहां के लोगों ने अपने राज्यों की विशेषताओं और राजस्थान से उनके संबंधों के बारे में विस्तार से बताया। राज्यपाल ने व्यक्तिशः सभी से संवाद करते हुए उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वी भी उपस्थित रहे।

किसानों को बड़ी राहत: खरीफ-2025 फसली ऋण चुकाने की तारीख बढ़ाई

-5.57 लाख से अधिक किसानों को मिलेगा लाभ

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार ने किसानों को बड़ी राहत देते हुए खरीफ-2025 में वितरित अल्पकालीन ब्याजमुक्त फसली ऋणों की अदायगी तिथि आगे बढ़ाने की स्वीकृति दे दी है। राज्य सरकार के इस निर्णय से 5 लाख 57 हजार से अधिक किसान लाभान्वित होंगे। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने बताया कि इस सम्बन्ध में वित्त विभाग से स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। केन्द्रीय सहकारी बैंकों द्वारा पैक्स/लैम्प्स के माध्यम से खरीफ-2025 में ऋण प्राप्त करने वाले किसान अब 15 मई, 2025 अथवा ऋण लेने की दिनांक से 12 माह, जो भी पहले हो, ऋण राशि चुका सकेंगे। पूर्व में ऋण चुकाने की अवधि 31 मार्च, 2025 निर्धारित थी, जिसे आगे बढ़ाने की मांग की जा रही थी। राज्य सरकार ने इस मांग को स्वीकार करते हुए किसानों को बड़ा तोहफा दिया है। दक ने बताया कि तिथि आगे नहीं बढ़ाये जाने पर लगभग 5 लाख 57 हजार किसानों पर बकाया लगभग 2 हजार 184 करोड़ रुपये का ऋण अवधिपार हो जाता। ऐसी स्थिति में इन किसानों को शून्य ब्याज दर पर फसली ऋण सुविधा का लाभ नहीं मिल पाता। साथ ही, ऋण अवधिपार होने की स्थिति में उन्हें 2 प्रतिशत पेनल्टी का भुगतान भी करना पड़ता। सहकारिता मंत्री ने किसानों से इस विस्तारित अवधि का लाभ प्राप्त करते हुए ऋणों का चुकारा कर शून्य ब्याज दर योजना का लाभ उठाने की अपील की है।

16 अप्रेल को आयोजित होगा जिलास्तरीय जनसुनवाई

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जनभावना के अनुरूप पारदर्शी एवं संवेदनशील वातावरण में आमजन की परिवेदनाओं एवं समस्याओं की सुनवाई एवं त्वरित समाधान के लिए 16 अप्रैल, 2026 (गुरुवार) को जिला स्तरीय जनसुनवाई एवं समाधान कार्यक्रम आयोजित होगा। जिला कलेक्ट्रेट सभागार में प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित होने वाले जनसुनवाई कार्यक्रम में जिले के जनप्रतिनिधि एवं समस्त संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी भाग लेंगे। जिलास्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम में वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से मुख्य सचिव या प्रभारी सचिव भी जुड़ेंगे। जिले के सभी उपखण्ड अधिकारी सहित सभी ब्लॉक स्तरीय अधिकारी भी वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से हिस्सा लेंगे। इस दौरान जिले के सभी विभागों के अधिकारी जनसुनवाई में भाग लेकर आमजन की समस्याओं का निस्तारण करेंगे। इससे पहले जिला कलक्टर की अध्यक्षता में जिला जन अभियोग एवं सतर्कता समिति की बैठक प्रातः 1000 बजे आयोजित की जायेगी। बैठक में समिति में दर्ज प्रकरणों पर गहनता से चर्चा की जायेगी।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912
कचरा गाड़ी के लिए	
ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420
पुलिस की मदद के लिए	
साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181
पानी के लिए	
जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400
मेडिकल इमरजेंसी के लिए	
एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771
घायल पशुओं के लिए	
नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

मुख्यमंत्री विकसित ग्राम-शहरी वार्ड अभियान:

समयबद्ध क्रियान्वयन के निर्देश, 15 मई तक मास्टर प्लान अनिवार्य

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की पहल पर संचालित मुख्यमंत्री विकसित ग्राम-शहरी वार्ड अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने सभी विभागों और जिला कलेक्टर्स को तय समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों और शहरी वार्डों के लिए डायनामिक मास्टर प्लान तैयार कर 15 मई तक पोर्टल पर अपलोड किए जाएं और नियमित मॉनिटरिंग के जरिए हर स्तर पर जवाबदेही और आमजन की भागीदारी सुनिश्चित की जाए। मुख्य सचिव सचिवालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने जिला कलेक्टर्स से सीधे संवाद कर उनके सुझाव, समस्याएं और अनुभव सुने तथा संबंधित विभागों को तुरंत समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी कलेक्टर्स को ग्राम सभाओं में अनिवार्य रूप से भाग लेने और जमीनी स्तर पर गतिविधियों की प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि ग्राम सभा और वार्ड सभा के जरिए सुझाव संकलन, डेटा एंट्री, GIS मैपिंग और मास्टर प्लान तैयार करने की प्रक्रिया को तेज किया जाए। तय समयरेखा के अनुसार 20 अप्रैल तक फोकस ग्रुप डिस्कशन, 25 अप्रैल तक ड्राफ्ट मास्टर प्लान और 15 मई तक अंतिम मास्टर प्लान तैयार कर पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य होगा। मुख्य सचिव ने सूचना प्रौद्योगिकी विभाग को निर्देश दिए कि आमजन

की भागीदारी बढ़ाने के लिए QR कोड आधारित फीडबैक सिस्टम विकसित किया जाए। साथ ही नवगठित ग्राम पंचायतों में ग्राम सेवकों की आईडी मैपिंग जल्द पूरी की जाए, ताकि अभियान का क्रियान्वयन बिना बाधा के हो सके। बैठक में प्रमुख शासन सचिव आयोजना भवानी सिंह देथा ने बताया कि अभियान के सफल संचालन के लिए हर जिले में पंचायती राज और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की संयुक्त टीमें बनाई गई हैं। जिला और ब्लॉक स्तर पर हेल्पडेस्क भी स्थापित किए गए हैं, जहां तकनीकी सहायता दी जा रही है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नियमित प्रशिक्षण और डाउट क्लियरिंग सत्र भी आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि अभियान के लिए तैयार वेब पोर्टल के माध्यम से डेटा एंट्री, मॉनिटरिंग, GIS आधारित मैपिंग और मास्टर प्लान अपलोड की सुविधा उपलब्ध है, जबकि मोबाइल एप से जियो-टैग्ड फोटो अपलोड भी किया जा सकता है। अभियान के तहत ग्राम पंचायत और शहरी वार्ड टूलकिट को 11 प्रमुख सेक्शनों—प्रशासनिक, कृषि एवं आजीविका, स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा, औद्योगिक विकास, आधारभूत संरचना, जल प्रबंधन, पर्यावरण, पर्यटन और सुशासन—में विभाजित किया गया है। इसके आधार पर डिजिटल बेसलाइन तैयार कर वर्ष 2030, 2035 और 2047 तक की जरूरतों का आकलन किया जाएगा, जिससे योजनाबद्ध विकास को गति मिलेगी। मुख्यमंत्री विकसित ग्राम-शहरी वार्ड अभियान 19 मार्च से शुरू होकर 15 मई तक चलेगा। इसमें राज्य के 766 स्थानीय निकायों के 24,648 ग्राम पंचायतों और शहरी वार्डों को शामिल किया गया है। इनमें से करीब 90 प्रतिशत इकाइयों की SSO आईडी मैपिंग पूरी हो चुकी है और पोर्टल पर डेटा एंट्री का काम लगातार जारी है। बैठक में शासन सचिव स्वायत्त शासन विभाग रवि जैन, शासन सचिव एवं आयुक्त पंचायतीराज डॉ. जोगा राम सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे, जबकि सभी जिला कलेक्टर और नोडल अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े।

राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस पर मैराथन दौड़ का हुआ आयोजन

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस के अवसर पर भव्य एवं प्रेरणादायक 5 किलोमीटर मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन बारां पुलिस, बारां रनर्स क्लब एवं मोशन इंस्टिट्यूट के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। जिसमें शहरवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक राजेश चौधरी रहे। उन्होंने हरी झंडी दिखाकर दौड़ का शुभारंभ किया तथा अपने संबोधन में कहा कि फिटनेस केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक सशक्त समाज के निर्माण की आधारशिला है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे नियमित रूप से खेल एवं व्यायाम को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। दौड़ का प्रारंभ खेल संकुल से किया गया, जिसमें शहर के सैकड़ों नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर युवाओं, महिलाओं, विद्यार्थियों एवं वरिष्ठ नागरिकों ने भी पुलिस के साथ कदम से कदम मिलाकर दौड़ लगाई, जो पुलिस और आमजन के बीच सकारात्मक संबंधों का प्रतीक रही। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना, युवाओं को नशे एवं गलत प्रवृत्तियों से दूर रखना तथा पुलिस और जनता के बीच आपसी विश्वास और सहयोग को मजबूत करना रहा। आयोजन के दौरान अनुशासन एवं सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए, जिससे पूरा कार्यक्रम सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इसके साथ ही सामाजिक सरोकार को ध्यान में रखते हुए पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था के लिए विभिन्न स्थानों पर परिंडे भी बांधे गए। इस पहल के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण एवं जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता का संदेश दिया गया, जिसमें उपस्थित जनसमूह ने भी बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई। दौड़ पूर्ण होने के पश्चात सभी प्रतिभागियों को सम्मान स्वरूप मेडल प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। साथ ही उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को विशेष रूप से सराहा गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में बारां रनर्स क्लब के सदस्यों, पुलिस प्रशासन एवं मोशन इंस्टिट्यूट के प्रतिनिधियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सभी के सामूहिक प्रयासों से यह आयोजन प्रेरणादायक सिद्ध हुआ। यह आयोजन न केवल फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सफल रहा, बल्कि समाज में एकता, अनुशासन, पर्यावरण संरक्षण एवं सकारात्मक ऊर्जा का भी संदेश देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना मनोज के लिए बनी जीवनदायी

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार की मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना आमजन के लिए जीवन रक्षक साबित हो रही है। इसका उदाहरण हाल ही में सुश्रुत हॉस्पिटल में देखने को मिला जहां बारां निवासी मरीज को गंभीर बीमारी के बावजूद पूरी तरह नि:शुल्क उपचार मिला है। जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव सक्सेना ने बताया कि जिले के निवासी मनोज अग्रवाल (46 वर्ष) को लंबे समय से पेशाब में रुकावट और दर्द की समस्या थी। जांच में उन्हें बल्बोमेम्ब्रेनस स्ट्रिक्चर (मूत्रमार्ग में संकुचन) जैसी गंभीर बीमारी का पता चला जिसके इलाज के लिए सर्जरी आवश्यक थी। आर्थिक स्थिति सामान्य होने के कारण परिवार इस महंगे इलाज को लेकर चिंतित था लेकिन मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना ने उन्हें नई उम्मीद दी। योजना के तहत मरीज को 21 फरवरी को सुश्रुत हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। जहां विशेषज्ञ यूरोलॉजिस्ट डॉ. नितिन लश्करी द्वारा विजुअल इंटरनल यूरेथ्रोटॉमीश् सर्जरी सफलतापूर्वक की गई। पूरे उपचार जांच और दवाइयों का खर्च योजना के अंतर्गत कवर किया गया। जिससे मरीज और उसके परिवार को आर्थिक राहत

मिली। अस्पताल में इलाज के दौरान मरीज की स्थिति लगातार बेहतर होती गई और 22 फरवरी को डिस्चार्ज के समय वह पूरी तरह स्थिर था। डॉक्टरों ने उसे सामान्य आहार और कुछ दिनों तक दवाइयों के साथ सावधानी बरतने की सलाह दी। मरीज ने बताया कि यदि यह योजना नहीं होती तो वह इतना महंगा इलाज नहीं करवा पाता। इस सफलता पर जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सक्सेना ने कहा कि मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना जरूरतमंदों के लिए वरदान है। उन्होंने बताया कि जिले में अधिक से अधिक पात्र लोगों को इस योजना का लाभ दिलाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं ताकि कोई भी व्यक्ति आर्थिक अभाव में इलाज से वंचित न रहे। यह सफलता कहानी न केवल योजना की प्रभावशीलता को दर्शाती है बल्कि यह भी बताती है कि सरकारी योजनाओं का सही क्रियान्वयन आमजन के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकता है।

मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना:-

यह राजस्थान सरकार की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना है। जिसके तहत सरकारी और पंजीकृत प्राइवेट अस्पतालों में इलाज फ्री मिलता है। हर परिवार को 25 लाख रुपए तक का कैशलेस इलाज कवर मिलता है। इसमें सर्जरी, गंभीर बीमारियों का इलाज भर्ती खर्च आदि शामिल हैं। राज्य के एक करोड़ से अधिक परिवार इससे जुड़े हुए हैं। अब इस योजना से प्रदेश के बाहर (अन्य राज्यों के पंजीकृत निजी अस्पतालों में भी) इलाज संभव है।

आयुष्मान आदर्श ग्राम योजना अंतर्गत कार्यशाला में दी स्वास्थ्य संबंधी जानकारी

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशन में आयुष्मान आदर्श ग्राम योजना अंतर्गत बुधवार को जिले के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय झोथड़ा में स्वास्थ्य संबंधी कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में उच्च रक्तचाप व ब्लड शुगर तथा हीमोग्लोबिन चेक करने के बारे में तथा प्राथमिक उपचार के बारे में विद्यार्थियों व ग्रामवासियों को जानकारी दी गई। इस दौरान डॉ. मनीषा ने बीपी व शुगर नियंत्रण, जांच व उपचार, सामान्य व विशेष दुर्घटनाओं में प्राथमिक उपचार, तम्बाकू के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी। इस दौरान डॉ. विजयपाल पूनिया, डॉ. लिखमाराम शर्मा, भरत सिंह, सबिता सोनी, नौरंग व विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहे।

गीतादेवी दुसाद की स्मृति में गर्मी से राहत के लिए सर्राफा बाजार में शुरू हुई केम्पर प्याऊ

बारां (रॉयल पत्रिका) । शहर के सर्राफा बाजार में तीसरे वर्ष भी स्वर्गीय गीतादेवी दुसाद स्मृति संस्थान द्वारा गर्मी के मौसम में आम राहगीरों को राहत प्रदान करने के लिए केम्पर प्याऊ का शुभारम्भ बुधवार को सर्राफा संघ से जुडे संरक्षक विनोद कुमार गर्ग, जयनारायण हल्दिया, अशोक कुमार गर्ग, मुख्य अतिथि व्यापार संघ अध्यक्ष योगेश कुमरा, देवकीनंदन बंसल की उपस्थिति में स्वर्गीय गीतादेवी दुसाद के चित्र पर पुष्पाजंलि अर्पित कर शीतल जल के साथ प्याऊ का शुभारम्भ किया। स्वर्गीय गीतादेवी दुसाद संस्थान के ललितमोहन खण्डेलवाल ने बताया कि लगातार तीसरे वर्ष की प्रथम प्याऊ सर्राफा बाजार में शुरू। अगले सप्ताह शीतल जल की एक ओर प्याऊ छोटा सर्राफा बाजार में प्रारम्भ कर दी जावेगी। आज शुभारम्भ अवसर पर प्रमुख रूप से पवन बंसल, राजेन्द्र मंगल, परमानन्द सोनी, अश्विनी बंसल, कन्हैया सोनी, राजेन्द्र गुर्जर, ओम गर्ग, प्रेमनारायण सोनी, गोविन्द सुमन, बिरजू सुमन, श्याम मेहता, अशोक कुमार जैन, पीयूष गर्ग, बंटी राजावत, कपिल सोनी, सत्यनारायण गोयनका, बंटी नागर, चिंकू सोनी, श्रेयांष जैन, सत्यनारायण मंगल, शंभू कुमार गुप्ता, त्रिलोक सोनी, जिनेन्द्र जैन, हरिष सोनी, पिन्टू मित्तल, नरेश सोमानी, राजेन्द्र सोनी सहित बडी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे।

जिला चिकित्सालय में वर्षों से बंद गायनी आईसीयू का पुन: संचालन शुरू

-प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. तेजराम मीना ने किया आईसीयू का उद्घाटन

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला चिकित्सालय के एमसीएच विंग में वर्ष 2016 से बंद पड़ी गायनी आईसीयू का बुधवार को पुनः शुभारंभ किया गया। प्रमुख चिकित्सा अधिकारी (पीएमओ) डॉ. तेजराम मीना द्वारा इसका उद्घाटन किया गया। इस पहल से जिले में मातृ एवं स्त्री रोग संबंधी गंभीर मरीजों को बेहतर एवं त्वरित उपचार सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। इस अवसर पर पीएमओ डॉ. तेजराम मीना ने कहा कि गायनी आईसीयू के पुनः संचालन से प्रसूता महिलाओं एवं जटिल स्त्री रोग मामलों के उपचार में उल्लेखनीय सुधार आएगा। उन्होंने चिकित्सालय की सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए टीम वर्क एवं समर्पण की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में डॉ. अंजनी मथुरिया, डॉ. एस.एन. अग्रवाल, नर्सिंग अधीक्षक गिर्राज सिंघल, नर्सिंग अधीक्षक मुकेश गुप्ता सहित चिकित्सक एवं नर्सिंग स्टाफ उपस्थित रहे। नर्सिंग यूनियन के अध्यक्ष हिमांशु शर्मा, महासचिव राधेश्याम मीना एवं अन्य कार्मिकों ने भी सहभागिता की। इस दौरान मनोज गुप्ता को गायनी आईसीयू का प्रभारी नियुक्त किया गया। चिकित्सालय प्रशासन द्वारा इस सुविधा के सुचारु संचालन के लिए आवश्यक संसाधनों एवं व्यवस्थाओं को सुदृढ़ किया गया है, जिससे मरीजों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं सुनिश्चित हो सकेंगी।

डॉ. भीमराव अंबेडकर सबका सम्मान करते हुए कमजोर के रक्षक थे - महनसरिया

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर सबका सम्मान करते हुए कमजोर के रक्षक थे। यह कहना है महनसरिया का चूरू जिला मुख्यालय पर बाबा साहब की 135वीं जयंती पर आयोजित विशाल शोभा यात्रा का नई सड़क पर फूलों एवं ठंडे पैय पिलाकर स्वागत करते हुए कहा की याद उन्हें ही किया जाता है जिन्होंने देश के लिए कुछ किया हो महनसरिया ने शोभायात्रा में चल रही अंबेडकर साहब की फोटो पर भी पुष्पांजलि अर्पित की इस अवसर पर अजय शर्मा, राजीव बहड, पूर्व पार्षद सत्यनारायण बाकोलिया, मनोज महनसरिया एडवोकेट, इदरीश खान दौलत खानी, रिटायर्ड स्टेशन मास्टर आमीन खान, पूर्व पार्षद मुबारक भाटी, इदुखान फतेह खानी, कीसना राम बाबल, कायमखानी समाज के जिला अध्यक्ष मुंशी खान, शिवम सोनी, आबिद खान, परमेश्वर रेगर, लक्ष्मण मेहरा, सारू लुहार, ललित मेघवाल, योगेश शर्मा, जंग शेर खान सहित उपस्थित जनसमूह ने शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया व बाबासाहब अमर रहे जय जय भीम के नारे लगाए।

दिव्यांग जनों ने भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती शोभा यात्रा पर पुष्प वर्षा कर दी श्रद्धांजलि

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की शोभायात्रा पर रॉयल विकलांग विकास संस्थान चूरू द्वारा पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अख्तर खान रूकनखानी के नेतृत्व में नई सड़क पर दिव्यांग जनों ने डॉ. बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर जयंती पर रैली में पुष्प वर्षा व माला पहनाकर स्वागत किया कार्यक्रम में मिडिया प्रभारी सफिक कुरैशी, मोहम्मद हारुन, कालू मोहम्मद, सद्दाम हुसैन, जमील भाटी आदि उपस्थित रहे और जय भीम के नारे लगाए। जब्बार खान अध्यक्ष कायम खानी छात्रावास चूरू ने सभी का आभार व्यक्त किया।

डॉ. महेश पुकार के मार्गदर्शन और डॉ. इदरीस की तूफानी पारी से मेडिकल कॉलेज क्वार्टर फाइनल में

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर शहर के 'पेस स्पेस' (Pace Space) बॉक्स क्रिकेट ग्राउंड पर आयोजित नाइट टूर्नामेंट सीजन-1 के दूसरे दौर में मेडिकल कॉलेज चूरू ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। मेडिकल कॉलेज की टीम ने अपने शानदार खेल के दम पर टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। डॉ. इदरीस और नदीम चौहान का पावर शो:मैच के असली हीरो डॉ. इदरीस खान रहे, जिन्होंने मात्र 16 गेंदों पर 47 रनों की विस्फोटक पारी खेलकर दर्शकों का दिल जीत लिया। उन्हें इस शानदार प्रदर्शन के लिए 'मैन ऑफ द मैच' चुना गया। नदीम चौहान ने भी आक्रामक बल्लेबाजी कर टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मेडिकल कॉलेज की विजेता 'प्लेइंग 7': इस रोमांचक मुकाबले में टीम का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ी रहे: डॉ. दीपक चौधरी (PMO), डॉ. इदरीस खान, नदीम चौहान, डॉ. नदीम, वेद प्रकाश, अनिल सैन और अनिल। अनुभवी मार्गदर्शन: टीम की इस सफलता के पीछे मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. महेश पुकार का बतौर कोच और मेंटर विशेष योगदान रहा। उनके रणनीतिक कौशल और डॉ. दीपक चौधरी (PMO) जैसे वरिष्ठ अधिकारियों की मैदान पर उपस्थिति ने टीम के मनोबल को बढ़ा दिया।आयोजकों ने जताया हर्ष: टीम पेस स्पेस के सदस्य—आसिफ खान, अजीज खान, इमरान, अकरम अलफखानी, आमिर खान, तनवीर चीकू और फरहान—ने विजेता टीम का स्वागत किया और क्वार्टर फाइनल के लिए शुभकामनाएं दीं। आयोजकों ने बताया कि टूर्नामेंट अब अपने निर्णायक और सबसे रोमांचक चरण में प्रवेश कर चुका है।

प्रधानमंत्री आवास योजना से ग्रामीण परिवार को मिली खुशियां

बारां (रॉयल पत्रिका)। प्रधानमंत्री आवास योजना से लाभान्वित ग्राम अन्ताना निवासी लाभार्थी गुलाब बाई ने बताया कि लाभार्थी का परिवार बहुत ही गरीब था, परिवार के पास रहने का कच्चा मकान था। कच्चे मकान में बरसात में कठिनाइयों के साथ रहना पडता था, कच्चे मकान में बरसात के समय रात में कीड़े-मकोड़ों का बहुत डर बना रहता था। बरसात का पानी घरों में घुस जाता था। जिससे जीवन-यापन में काफी परेशानी आती थी। लेकिन आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के जीवन के सपने जब पूरे हुए तब ग्राम पचांयत की और से प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अन्तर्गत वर्ष 2024-25 में आवास स्वीकृत करवाकर आवास निर्माण की राशि 1,20000 रूपए व महानरेगा से 90 मानव दिवस उपलब्ध करवाकर लाभार्थी के पक्के आवास का निर्माण हुआ तो लाभार्थी परिवार के चेहरे पर पक्का आवास पाकर खुशी छा गई। लाभार्थी परिवार ने सरकार का बहुत-बहुत आभार व्यक्त किया और जिससे परिवार के रहने के तरीके, सामाजिक और मानसिक तौर पर काफी बदलाव हुआ।

पाली में राठौड़ का दौरा, बोले—नारी शक्ति वंदन अधिनियम से बढ़ेगी महिलाओं की भागीदारी

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। मदन राठौड़ भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष राज्यसभा सांसद एक दिवसीय दौरे पर पाली पधारे। इस दौरान उन्होंने भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यसमिति बैठक एवं प्रेस वार्ता को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को पूर्ण सम्मान, समान अधिकार और राजनीतिक भागीदारी दिलाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार नारी शक्ति वंदन अधिनियम लेकर आई है। इस अधिनियम के माध्यम से लोकसभा एवं विधानसभा में महिलाओं को आरक्षण प्रदान किया जाएगा, जिससे मातृशक्ति को निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी मिलेगी और देश के विकास में महिलाओं की भूमिका और अधिक मजबूत होगी। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सदैव महिलाओं के उत्थान, आत्मनिर्भर भारत, गरीब कल्याण और राष्ट्र निर्माण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। आज देश हर क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है और विश्व पटल पर भारत की पहचान मजबूत हुई है। उन्होंने आगामी 21 अप्रैल को यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पचपदरा दौरे को ऐतिहासिक बताते हुए सभी विधानसभाओ मे पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं से अधिकाधिक संख्या में पहुंचने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम संगठन की शक्ति और जनता के विश्वास का प्रतीक बनेगा। उन्होंन कहा विश्व मे तेल सकट मे भी आमजन को राहत प्रदान की जिला प्रवक्ता तिलोक चौधरी ने बताया की इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत, महामंत्री भूपेंद्र सैनी, नाहर सिंह जोधा, अजीत मदान, जिला प्रभारी श्याम शर्मा, जिलाध्यक्ष सुनील भंडारी, पूर्व सांसद पुष्प जैन, विधायक पुष्पेंद्र रणावत, विधायक शोभा चौहान, लक्ष्मीनारायण दवे, ओबीसी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र कुमावत, विनीता सेठ, ज्ञानचंद्र पारख, लक्ष्मी सिरवी, करण सिंह नेतरा, मंशाराम परमार, दिग्विजय सिंह,राठोड नारायण कुमावत, भरत त्रिवेदी, त्रिलोक चौधरी, देवीलाल मेघवाल, राकेश पंवार, महेंद्र बोहरा, प्रदेश प्रवक्ता अरविंद शर्मा सभी मडल अध्यक्ष व मंडल प्रभारी जिला पदाधिकारीगण व जनप्रतिनिधिगण सहित उपस्थित रहे।

राजेंद्र राठौड़ के निवास पर 22 अप्रैल के संकल्प दिवस पोस्टर का विमोचन किया

चुरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर विधायक हरलाल साहरण तथा भाजपा महामंत्री पराक्रम राठौड़ ने किया। पराक्रम राठौड़ ने बताया कि पूर्व नेता प्रतिपक्ष आदरणीय राजेंद्र सिंह राठौड़ का जन्म दिवस आगामी 22 अप्रैल को हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। यह केवल एक जन्मदिन नहीं, बल्कि चूरू के विकास और संघर्ष के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का महापर्व है। राठौड़ साहब ने सदैव हम सभी के हक की लड़ाई लड़ी है, अब समय है कि हम सब एकजुट होकर उन्हें अपनी शक्ति और प्रेम दिखाएं। मेरी आप सभी चूरू वासियों से अपील है कि इस पावन अवसर पर भारी से भारी संख्या में पहुँचकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएँ और अपने जनप्रिय नेता को आशीर्वाद व शुभकामनाएँ दें। चुरू विधायक हरलाल सहारण ने बताया की अल्पसंख्यक मोर्चा घर घर जाकर प्रचार करें और सभी को कार्यक्रम मे आने का न्योता देवे। मोर्चा जिलाध्यक्ष अख्तर खान ने सभी आभार जताया। कार्यक्रम में रमजान जोईया, असगर अली जोईया, अजीज खान, इरशाद भाटी, शरीफ सोलंकी, इस्लाम सोलंकी, अमीन खान, सोयब कुरैशी, मुस्ताक लुहार आदि मौजूद रहे।

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसायटी, जयपुर ने मनाई डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती

जयपुर। भारतीय संविधान निर्माता, महान समाज सुधारक, भारतरत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती महोत्सव धीरावत पैराडाइज, नांगल जैसा बोहरा में मुख्य अतिथि पूर्व भू-भौतिकी वैज्ञानिक, विचारक एवं लेखक हरदान हर्ष ने कहा कि समाज के वंचित वर्गों, महिलाओं, कामगारों और आम नागरिकों को अधिकार दिलाने के लिए डॉ. अंबेडकर ने अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया। उन्होंने कहा कि देश में पूंजीवाद से जीतने के लिए व्यवसाय को अपनाना आवश्यक है। सरकारी सेवा के अलावा भी संभावनाएं तलाशना जरूरी है। अध्यक्षता कर रहे कैप्टन बंशीधर रांगेरा ने कहा कि एससी जाति के छात्र-छात्राओं की छात्रवृति योजना में माता-पिता की वर्षों पुरानी ढाई लाख रूपए सालाना आय सीमा को अब बढ़ाने की महत्ती आवश्यकता है। विशिष्ट अतिथि पुलिस उप अधीक्षक सोन चंद लाडना ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के सिद्धातों को अपनाने पर बल दिया। यूको बैंक के पूर्व डीजीएम ओम प्रकाश वर्मा ने अपने उद्बोधन में बालक-बालिकाओं की शिक्षा पर निवेश को जरूरी बताया। एससी-एसटी-ओबीसी अधिकारी-कर्मचारी संयुक्त महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष अशोक सामरिया ने कहा कि शिक्षा से पहले संस्कार, व्यापार से पहले व्यवहार और ईश्वर से पहले माता-पिता का सम्मान करने की परंपरा जरूरी है। वंचित समाज परिसंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व संयुक्त शासन सचिव-वित्त इंद्रराज सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए। संस्था संयोजक आर.एम. बुनकर ने कहा कि बाबा साहब डॉ. अंबेडकर केवल दलितों के ही मसीहा नही थे, बल्कि वे हर समाज, हर जाति के वंचितों, पिछड़ों, मजदूरों के भी मसीहा थे। उनको केवल दलितों तक सीमित करना, उनके विशाल मानवतावादी दृष्टिकोण के साथ अन्याय होगा। उन्होंने कहा कि अंबेडकर ने अपने जीवन में घोर अपमान, शोषण, उत्पीड़न, तिरस्कार और भयंकर जाति भेद का सामना किया, लेकिन कभी भी इसे बदले की भावना से नही देखा। डॉ. अंबेडकर को आंसुओं का अहसास था जरूर, मगर उनका किरदार बहुत ऊंचा था। इसलिए उन्होंने निष्पक्ष और न्यायसंगत संविधान की रचना की। डॉ. अंबेडकर के विचारों की गूंज आज भी ब्रह्मांड और सृष्टि में विद्यमान है जो शताब्दियों तक रहेगी। इससे पूर्व अतिथियों द्वारा डॉ. भीमराव

अंबेडकर के छायाचित्र के समक्ष द्वीप प्रज्जवलित एवं पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सभी अतिथियों का संस्था के पदाधिकारियों द्वारा माल, साफा पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया। संस्था के महासचिव बाबूलाल भाटी ने संस्था का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किया और संस्था के मूल उद्देश्य एवं लक्ष्यों पर प्रकाश डाला। वरिष्ठ नागरिकों में भूरामल, दुर्गालाल भाटी, बंशीधर रांगेरा, साधुराम दानोदिया, रघुनाथ प्रसाद गोठवाल, रमेश चंद आर्य, हनुमान प्रसाद डोई, सुवालाल बरवड़, नाथूराम बूंदवाल, जगदीश कैरवाल, महादेव भाटी, लट्राम, बाबूलाल खींची का सम्मान किया। विकास नगर नागरिक समन्वय समिति अध्यक्ष सोमेश्वर कुमार मिश्रा, पूर्व कोषाध्यक्ष देवेंद्र शर्मा, रियल एस्टेट कारोबारी सुनील चौधरी, डॉ. भीमराव अंबेडकर विचार मंच समिति (रजि) के अध्यक्ष बद्री नारायण वर्मा, समाज सेवी संस्था (रजि.) के महासचिव एडवोकेट गिरधारी लाल चौहान, बलाई विकास समिति जयपुर (मुख्यालय-चौमूं) के महासचिव सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया, डॉ. जे.पी. बुनकर, बाबू लाल भाटी, धर्मपाल ढीकवाल, ओमप्रकाश बडगूजर, यादराम आर्य, पूर्व अध्यक्ष रोहिताश वर्मा, देवदत्त छाछीया, सुरेश भाटी, राजेश वर्मा, होशियार सिंह, छोटेलाल बुनकर, सत्यवीर सिंह आर्य, डॉ. सुनील गोठवाल, सोनचंद लाड़ना, हरिसिंह लाडना, लक्ष्मी नारायण, सुभाषचंद दानोदिया, दानाराम, पूर्व प्रधानाचार्य जैसाराम, श्यामलाल सूठवाल, आनंदीलाल भाटी, जगदीश कैरवाल, बाबूलाल वर्मा, महेंद्र कुमार रांगेरा, मैहरचंद बबेरवाल, बनवारीलाल अटल, ओमप्रकाश चोपड़ा, सत्येंद्र आर्य, गजेंद्र सिंह डूमोलिया, ओमप्रकाश भाटी, रामेश्वर प्रसाद, भगवान सहाय वर्मा, लालचंद भाटिया, अशोक कुमार आर्य, एडवोकेट बजरंग लाल मौखरिया, एडवोकेट श्रवण कुमार बूड़गायां, सुरेश कुमार, मनीराम ढीकवाल, सुरेश कुमार लाडना, रघुवीर नारवारा, भैरूराम, प्रेमप्रकाश बागोटिया, ओमप्रकाश नूनवाल, पूर्व अध्यक्ष बाबूलाल खींची, लक्ष्मी नारायण डूचाणिया आदि का माल्यार्पण एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। नारी शक्ति संतोष बुनकर, मंजू भाटी, आशा देवी, कमलेश, ज्योति कुमारी का स्मृतिचिन्ह देकर सम्मान किया। ज्योतिबा फूले द्वारा लिखी गई पुस्तक "गुलाम गिरी" का वरिष्ठ लेखक व साहित्यकार, मुख्य अतिथि हरदान हर्ष द्वारा सरल हिंदी भाषा में लिखा गया है, जिसका मंचासीन अतिथियों द्वारा विमोचन किया। संस्था द्वारा वर्ष 2025-2026 की बोर्ड परीक्षाओं में 80% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले कक्षा 10वीं के 15 व 12वीं के 5 प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को प्रशंसा पत्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया। विगत दो वर्षों के दौरान सरकारी नौकरियों में चयनित होने वाले 5 समाज बंधुओ को भी प्रशंसा पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। आंगनबाड़ी के छोटे-छोटे बच्चों को संस्था द्वारा कॉपी पेंसिल व बैग वितरित किये। 5वीं कक्षा की छात्रा कुमारी रोशनी द्वारा बाबा साहब पर अंग्रेजी में संबोधन किया। कल्याण सहाय कंडारा एंड पार्टी द्वारा प्रस्तुत भीम वंदना और मनमोहक रंगारंग प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम के अंत में अध्यक्ष बस्तीराम वर्मा ने सभी का आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन कल्याण दत्त वर्मा (के.डी.) एवं आर.एम. बुनकर द्वारा संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम के पश्चात संस्था द्वारा भोजन-प्रसादी की व्यवस्था की गई थी।

पीड़ित प्रतिकर मीटिंग का आयोजन कर पीडितों को 7.25 लाख रुपये की प्रतिकर राशि प्रदान करने के दिये आदेश

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर के तत्वाधान में बुधवार को देवेन्द्र दीक्षित, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर की अध्यक्षता में पीड़ितों को प्रतिकर राशि दिलवाये जाने हेतु जिला प्राधिकरण के पदेन सदस्यगण के साथ मीटिंग का आयोजन किया गया। पीड़ित प्रतिकर स्कीम के तहत लंबित अंतिम स्तर के दो एवं अंतरिम स्तर के तीन प्रकरणों सहित कुल पांच प्रकरणों में प्रार्थना पत्रों पर विचार-विमर्श किया गया। जिसमें समिति द्वारा जीवन हानि (हत्या) के एक प्रकरण में सर्वसम्मति से 5 लाख रूपये, गंभीर उपहति के एक प्रकरण में 1 लाख रूपये एवं जीवन हानि (हत्या) के अंतरिम स्तर के एक प्रार्थना पत्र में 1.25 लाख रूपये प्रतिकर के रूप में स्वीकृत किये जाने के आदेश दिये गए। इस प्रकार सर्वसम्मति से कुल तीन

प्रकरणों में कुल 7.25 लाख रूपये (अक्षरे सात लाख पच्चीस हजार रूपये) प्रतिकर के रूप में प्रदान किये जाने के आदेश प्रदान किये गये। साथ ही अंडर ट्रायल रिव्यू कमेटी की बैठक का आयोजन कर न्यायिक अभिरक्षा में निरूद्ध बंदियों के संबंध में प्रगति रिपोर्ट एवं बंदियों के जमानत प्रार्थना-पत्रों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में राजेन्द्र शर्मा न्यायाधीश पारिवारिक न्यायालय, सुन्दर लाल बंशीवाल न्यायाधीश मोटर वाहन दुर्घटना दावा अधिकरण, असीम कुलश्रेष्ठ विशिष्ट न्यायाधीश एससी/एसटी न्यायालय, समीक्षा गौतम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, आशुतोष सिंह आढ़ा मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, कानाराम सिरवी जिला कलेक्टर, ज्येष्ठा मैत्रेयी पुलिस अधीक्षक, संदीप शर्मा अध्यक्ष बार एसोशिएसन, जितेन्द्र शर्मा लोक अभियोजक, राधेश्याम जोगी चीफ लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल, ताराचन्द शर्मा जेलर जिला कारागृह सवाई माधोपुर उपस्थित रहे।

मेरा-घर-मेरा-सोलर के संकल्प पर लगा बैंकिंग नियमों का 'ब्रेक'

-स्वामित्व की शर्त हटाने की मांग को लेकर पूर्व पार्षद वर्मा ने सौंपा ज्ञापन

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। प्रधानमंत्री की महत्त्वाकांक्षी योजना 'पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना' को लेकर बुधवार को शहर के जयपुर रोड स्थित उपखण्ड कार्यालय पर पूर्व पार्षद एवं सोलर प्रेरक राजेश कुमार वर्मा के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओ ने उपखंड अधिकारी दिलीप सिंह से भेटकर उपखंड क्षेत्र में सोलर लोन की प्रक्रिया में 1 अप्रैल 2026 से लागू हुए 'भूमि स्वामित्व' (Registry@Jambandi) की अनिवार्य शर्त को हटाये जाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा।

योजना की रफ्तार पर लगी 'तकनीकी लगाम':-

ज्ञापन के माध्यम से वर्मा ने बताया कि पीएम सूर्य योजना की शुरुआत से अब तक बिजली बिल, पैन कार्ड और आधार जैसे बुनियादी दस्तावेजों पर आसानी से बैंक ऋण उपलब्ध हो रहे थे। लेकिन 1 अप्रैल 2026 से लागू हुए 'भूमि स्वामित्व' (Registry@Jambandi) की अनिवार्य शर्त के नए नियमों के अनुसार, अब ऋण केवल उसी व्यक्ति को मिल सकता है जिसके नाम पर बिजली कनेक्शन और जमीन का स्वामित्व दोनों हो।

ग्रामीण परिवेश की व्यावहारिक दिक्कतें:-

वर्मा ने एसडीएम को अवगत कराया कि ग्रामीण और अर्ध शहरी क्षेत्रों में अक्सर बिजली कनेक्शन घर के युवा सदस्य के नाम होता है, जबकि जमीन आज भी दादा या पिता के नाम दर्ज है। पारिवारिक बँटवारा न होने के कारण पात्र व्यक्ति के पास स्वयं का स्वामित्व दस्तावेज नहीं होता। इस एक शर्त की वजह से चौमूं सहित पूरे प्रदेश में हजारों ऋण आवेदन बैंकों द्वारा निरस्त किए जा रहे हैं, जिससे प्रधानमंत्री का 'हर घर सोलर' का सपना प्रभावित हो रहा है।

ज्ञापन में रखी गई मुख्य मांगें:-

सोलर लोन हेतु 'भूमि स्वामित्व' की बाध्यता को तत्काल समाप्त कर प्रक्रिया को सरल बनाया जाए। पूर्व की भांति विद्त बिल, पैन कार्ड, (आधार संख्या) और बैंक पासबुक के आधार पर ही ऋण स्वीकृत किए जाएं। जमीन के दस्तावेज के स्थान पर परिवार के मुखिया का 'सहमति पत्र' (NOC) मान्य करने का नया दिशा-निर्देश जारी हो।

चौमूं को 'सोलर स्मार्ट सिटी' बनाने का संकल्प:-

राजेश कुमार वर्मा ने कहा कि वह पिछले एक साल से चौमूं को सोलर स्मार्ट सिटी बनाने के मिशन पर कार्य कर रहे हैं और अब तक 150 से अधिक घरों में सोलर लगवा चुके हैं। ऐसे में सरकार को चाहिए कि इस व्यावहारिक समस्या का समाधान कर आम आदमी को राहत प्रदान करे ताकि बैंक पुनः आम जनता को ऋण वितरित कर सकें। इस अवसर पर अल्पसंख्यक विभाग कांग्रेस के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष शहजाद खान लोहानी व पूर्व नगर कांग्रेस उपाध्यक्ष भानु प्रसाद सैनी भी उपस्थित थे।

पाली में स्वच्छता को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

पाली (रॉयल पत्रिका)। जिला कलेक्टर डॉ. रविन्द्र गोस्वामी के निर्देशानुसार एवं मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी/अधिशासी अभियंता कलिम अशरफ के निर्देशन में पाली शहर की स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर निगम के सभी निरीक्षक एवं (IEC) टीम से महेश कुमार सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। बैठक के दौरान शहर की साफ-सफाई व्यवस्था को प्रभावी एवं व्यवस्थित बनाने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में निर्देश दिए गए कि शहर में नियमित एवं बेहतर साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए, कचरा संग्रहण प्रणाली को मजबूत किया जाए तथा डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण के लिए मोबाइल वाहनों का नियमित संचालन किया जाए, जिससे आमजन को बेहतर सुविधा मिल सके। इसके साथ ही शहर के सभी GB Point (गार्बेज बिन प्वाइंट) को चरणबद्ध तरीके से स्थायी रूप से बंद करने एवं वहां कचरा डालने की प्रथा को समाप्त करने के निर्देश दिए गए। साथ ही CTU Point (कलेक्शन एंड ट्रांसफर यूनिट) पर कचरे के उचित प्रबंधन एवं त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने पर भी विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों द्वारा सभी संबंधित कार्मिकों को अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित मॉनिटरिंग करने तथा आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए गए, ताकि पाली शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित बनाया जा सके। नगर निगम द्वारा किए जा रहे इन प्रयासों से शहरवासियों को बेहतर स्वच्छता सुविधाएं उपलब्ध होंगी और पाली को स्वच्छ शहर बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस समारोह पर विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा, क्विज प्रतियोगिता में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

-रिजर्व पुलिस लाईन चूरू में पुलिसकर्मियों को दिये जायेंगे सेवा चिन्ह

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला पुलिस अधीक्षक निश्चय प्रसाद एम ने बताया कि राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस (16 अप्रेल 2026) के उपलक्ष्य में जिलास्तर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इस कम में आज जिलास्तरीय क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया व प्रश्नों का उत्तर देकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। जिसमें जिलेभर से विद्यार्थी प्रतियोगिता में बैठे। जिसमें निम्नानुसार प्रथम, द्वितीय स्थान पर रहे विद्यार्थियों का विवरण निम्नानुसार है। प्रथम स्थानः - किश पुत्र देशराज सिंह एमजीजीएस सैकण्डरी स्कूल सादुलपुर द्वितीय स्थान :- 1. तनवीर पुत्री नदीम राजकीय सर्वहितकारिणी बालिका उ. मा. विद्यालय (पुत्री पाठशाला) चूरू 2. योगेश प्रजापत पुत्र रूपाराम प्रजापत राउमावि सवाईबडी सरदारशहर जिला चूरू 3. प्रिया जांगिड़ पुत्री सुनील जांगिड़ गोपीराम गोयनका राउमावि चूरू 4. लक्ष्य सैनी पुत्र विजय कुमार सैनी गोपाराम गोयनका राउमावि चूरू सात्वना पुरस्कार :-1. शिवम पुत्र

नरेश राउमावि गुलपुरा राजगढ 2. भारती पुत्री दले सिंह राउमावि गुलपुरा राजगढ 3. अवनी सैनी पुत्री विजय कुमार सैनी गोपीराम गोयनका राउमावि चूरू 4. दीक्षा भारद्वाज पुत्री भवानीशंकर गौड़ पुत्री पाठशाला चूरू 5. नन्दिनी पलवाड़िया पुत्री रतनलाल पीएम श्री कन्नोई राबाउमावि सुजानगढ विजेता प्रतिभागियों को नगद राशि, मोमेंटो, प्रमाण-पत्र व प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। उक्त सभी प्रतिभागी 17 अप्रेल 2026 को संभागस्तर पर बीकानेर में आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में भाग लेंगे। इस अवसर पर जिला पुलिस अधीक्षक ने उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में ज्ञानवर्धन, प्रतिस्पर्धा की भावना तथा आत्मविश्वास को बढाती हैं। कार्यक्रम के अन्त में सभी प्रतिभागियों को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गई। इस प्रकार राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर रिजर्व पुलिस लाईन चूरू में पुलिस-पब्लिक के वॉलिबॉल मैच का आयोजन किया जा रहा है तथा सायंकालिन सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है। 16 अप्रैल, 2026 को रिजर्व पुलिस लाईन चूरू में परेड व सेवा चिन्ह वितरण का आयोजन किया जायेगा। तत्पश्चात रक्तदान एवं पौधरोपण का आयोजन किया जायेगा।

संविधान जागरूकता एवं एकता सम्मेलन तथा प्रदेश कार्यकारिणी, जिला अध्यक्षों व सोशल मीडिया कमेटी की बैठक आयोजित हुई

इकबाल शाह बनेड़ा

जयपुर। भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर जयपुर स्थित पीसीसी कार्यालय में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी (अल्पसंख्यक विभाग) द्वारा "संविधान जागरूकता एवं एकता सम्मेलन" का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेशभर से आए कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों एवं कांग्रेसजनों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिससे पूरे आयोजन में उत्साह और ऊर्जा का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष एम.डी. चोपदार ने कहा कि आज भारत का प्रत्येक नागरिक जिस स्वतंत्रता के साथ जीवन जी रहा है, चाहे वह रोजगार चुनने की आज़ादी हो, अपने धर्म का पालन करने का अधिकार हो या अपनी जीवनशैली के अनुसार खाने-पीने की स्वतंत्रता, यह सब बाबा साहब अंबेडकर के संविधान की देन है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने देश के प्रत्येक नागरिक को समानता और सम्मान के साथ जीने का अधिकार दिया है। इस अवसर पर विभाग की प्रदेश कार्यकारिणी के नव-नियुक्त पदाधिकारियों, सोशल मीडिया टीम तथा असम विधानसभा चुनाव में सक्रिय भूमिका निभाने

वाले प्रदेश उपाध्यक्ष जफर हुसैन टॉक को शाल ओढ़ाकर, साफा पहनाकर एवं माल्यार्पण कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में प्रदेशभर से आए जिलाध्यक्षों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी ने आयोजन को और अधिक सफल बनाया। बैठक में यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया कि आने वाले समय में प्रदेश के प्रत्येक जिले में "सद्भावना सम्मेलन" आयोजित किए जाएंगे, ताकि सामाजिक एकता और भाईचारे को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष जफर हुसैन टॉक, प्रदेश सचिव अली मंसूरी, भीलवाड़ा ग्रामीण जिला अध्यक्ष इकबाल मोहम्मद शाह भीलवाड़ा शहर अध्यक्ष हामिद रंगरेज, बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जयंती पर जयपुर पीसीसी कार्यालय पर पुष्प अर्पित किए गए भीलवाड़ा के सभी अल्पसंख्यक कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष एम डी चोपदार का आभार व्यक्त किया। जिसमें जयपुर जिला कांग्रेस कमेटी (शहर) के अध्यक्ष सुनील शर्मा, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संगठन महासचिव ललित तूनवाल, पीसीसी सचिव ताराचंद सैनी, महासचिव स्वर्णिम चतुर्वेदी, आरसी चौधरी, एडवोकेट शगीर अहमद एवं प्रोफेसर हसीना सहित कई वरिष्ठ नेता मंचस्थ रहे। सभी वक्ताओं ने अल्पसंख्यक विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के लिए निरंतर प्रयास जारी रखने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन लियाकत अली झालावाड़ एवं सलमा पिनारा द्वारा किया गया।

बैठक में किन्नर समाज के अधिकारों पर चर्चा

बारां (रॉयल पत्रिका)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के निदेशक के निर्देशानुसार बुधवार को कार्यवाहक जिला कलक्टर भंवरलाल जनागल की अध्यक्षता में मिनी सचिवालय में बैठक आयोजित की गई। जिसमें विभिन्न किन्नर समुदायों के डेरों से अंजलि किन्नर, तनिशा किन्नर, नीशु किन्नर, लवी किन्नर, गौरी किन्नर आदि ने भाग लिया। बैठक में किन्नर समुदाय ने अंतिम संस्कार के लिए स्वतंत्र जमीन के आवंटन, समाज में समानता का दर्जा व अधिकार दिया जाने, सरकारी योजनाओं के तहत निशुल्क आवास आदि को लेकर ज्ञापन भी दिया। इस दौरान जिला परिवीक्षा एवं समाज कल्याण अधिकारी शुभम नागर के द्वारा ट्रांसजेंडर समुदायों के हितार्थ सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई।

साउथ कोरिया में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय डेंटल सेमिनार में डॉ. तन्मय खंडेलवाल व डॉ. आंचल जैन को किया सम्मानित

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। महवा उपखंड मुख्यालय के पुरानी तहसील के समीप स्थित श्री बालाजी डेंटल हॉस्पिटल एंड पोलीक्लिनिक के डायरेक्टर डॉक्टर तन्मय खंडेलवाल डॉ. आंचल जैन को उनके द्वारा दांतों की आधुनिक तकनीक से इलाज के फार्मूले को विश्व स्तर पर पहचान मिली है। साउथ कोरिया में आयोजित अंतरराष्ट्रीय डेंटल सेमिनार कार्यक्रम में महवा कस्बे के बालाजी डेंटल हॉस्पिटल एंड पोलीक्लिनिक द्वारा दांतों की आधुनिक पद्धति से इलाज की तकनीक को विकसित करने को लेकर डॉ. तन्मय खंडेलवाल, डॉक्टर आंचल जैन को साउथ कोरिया की ऑसटिम इंमप्लांट कंपनी के अध्यक्ष चोइ क्यू ओके द्वारा अवार्ड व प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर डॉ. तन्मय खंडेलवाल व डॉक्टर आंचल जैन को डेंटिस्ट के कार्य में विशेष उल्लेखनीय कार्य करने पर अवार्ड प्रदान किये जाने पर महवा के अनेक सामाजिक संगठनों ने खुशी जाहिर करते हुए अपने गांव प्रदेश का नाम ऊंचा करने पर डॉक्टर तन्मय खंडेलवाल व डॉक्टर आंचल जैन का भव्य स्वागत करते हुए ढोल नगाड़ों के साथ उन्हें अपने घर तक पहुंचाया गया। यह उपलब्धि बालाजी डेंटल हॉस्पिटल एंड पोलीक्लिनिक महवा के डायरेक्टर डॉ. तन्मय खंडेलवाल व डॉक्टर आंचल जैन के दांतों के आधुनिक तकनीक से इलाज के कार्य क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य और डेंटल क्षेत्र में योगदान को दर्शाती है।

वन सीमा के पास अवैध कॉलोनियों का जाल: सवाई माधोपुर में पेड़ों की कटाई से वन्यजीवों पर संकट

-वन्यजीव ओर पर्यावरण संक्षण प्रेमियों ने जिला कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका) । जिले के आलनपुर क्षेत्र में वन सीमा के पास अवैध निर्माण और पेड़ों की कटाई का गंभीर मामला सामने आया है। जिला कलेक्टर को सौंपे गए ज्ञापन में पर्यावरण प्रेमियों ने आरोप लगाया है कि वन क्षेत्र फलोदी रेंज से करीब 250 मीटर की दूरी पर खसरा नंबर 2864, 2865, 2866, 2867, 2860, 2859/3128 में भू-माफियाओं द्वारा अवैध आवासीय और व्यावसायिक कॉलोनियां विकसित की जा रही हैं। ज्ञापन में बताया गया कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार वन क्षेत्रों के आसपास संवेदनशील जोन में किसी भी प्रकार के स्थायी निर्माण पर प्रतिबंध है, इसके बावजूद नियमों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है।

पेड़ों की अंधाधुंध कटाई का आरोप:-

स्थानीय लोगों का कहना है कि जेसीबी और ट्रैक्टर चलाकर सैकड़ों हरे-भरे पेड़ों को उखाड़ दिया गया है, जिससे पर्यावरण पर गंभीर असर पड़ा है। बिना किसी प्रशासनिक अनुमति के यह कार्य किए जा रहे हैं। ज्ञापन में वन विभाग, नगर परिषद, नगर विकास न्यास और RERA पर भी सवाल उठाए गए हैं कि उनकी जानकारी के बावजूद अवैध निर्माण नहीं रोका जा रहा। शिकायतकर्ताओं ने मांग की है कि अवैध कॉलोनियों के निर्माण को तुरंत रोका जाए और दोषी भू-माफियाओं, मशीन संचालकों और संबंधित लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाए इसके साथ ही वन क्षेत्र के पास बढ़ती मानवीय गतिविधियों से वन्यजीवों के जीवन, संरक्षण और प्रजनन पर खतरा मंडरा रहा है। सवाई माधोपुर में वन सीमा के पास हो रहे अवैध निर्माण और पेड़ों की कटाई ने प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब देखना होगा कि प्रशासन इस गंभीर मामले में क्या कार्रवाई करता है।

अमेलिया रंधावा

की खूबसूरती के आगे फेल हैं बॉलीवुड एक्ट्रेसेस

विंदू दारा सिंह और डीना उमरोवा की बेटी अमेलिया रंधावा हाल ही में एक इवेंट में अपने पेरेंट्स के साथ नजर आई और उन्होंने पूरी लाइमलाइट लूट ली। अमेलिया रंधावा खूबसूरती के आगे फेल हैं बॉलीवुड एक्ट्रेसेस इस वक्त सोशल मीडिया पर उनकी खूब चर्चा हो रही है। हर कोई उनके बारे में जानने के लिए बेताब है। बॉलीवुड एक्टर और दिग्गज पहलवान दारा सिंह की विरासत को उनके बेटे विंदू दारा सिंह आगे बढ़ा रहे हैं। वो अक्सर किसी न किसी कारण चर्चा में रहते हैं। हाल ही में विंदू दारा सिंह एक इवेंट में अपनी पत्नी डीना उमरोवा और बेटी अमेलिया रंधावा के साथ नजर आए। इस दौरान लोगों की निगाहें उनकी बेटी पर ही टिकी रह गई। डीना उमरोवा की शादी 8 मार्च, 2006 को विंदू दारा सिंह से हुई थी। साल 2009 में इस कपल ने अमेलिया रंधावा का वेलकम किया अमेलिया रंधावा पेशे से एक मॉडल, फिटनेस फ्रीक और एक्ट्रेस हैं। उनकी रुचि सिर्फ एक्टिंग में ही नहीं है, बल्कि वह फिल्ममेकिंग में भी काफी एक्टिव हैं। अमेलिया रंधावा ने रिदमिक जिम्नास्टिक की ट्रेनिंग ली है और एक्रोबेटिक्स की भी प्रैक्टिस करती हैं। यही वजह है कि उनका कॉन्फिडेंस और पर्सनैलिटी लोगों को तुरंत अट्रैक्ट करती है। विंदू दारा सिंह की बेटी 'चेरी' नाम की एक क्राइम ड्रामा शॉर्ट फिल्म में काम कर चुकी हैं। इसके अलावा उन्होंने रॉकवेल के गाने 'समबडीज वाचिंग मी' के लिए एक पोस्टमॉडर्न पास्टिश म्यूजिक वीडियो पर काम किया है. वो कई म्यूजिक वीडियो प्रोजेक्ट्स में भी दिख चुकी है। अमेलिया रंधावा सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं. वो अक्सर इंस्टाग्राम पर अपनी खूबसूरत फोटोज और वीडियोज शेयर करती हैं, जिन पर उनके फैंस खूब प्यार लुटाते हैं। खूबसूरती और ग्लैमरस अंदाज के मामले में अमेलिया रंधावा बॉलीवुड की कई बड़ी-बड़ी एक्ट्रेसेस को मात देती हैं।

'भूत बंगला' का नया गाना 'ओ सुंदरी' रिलीज

बॉलीवुड में जब भी कोई बड़ी फिल्म रिलीज के करीब होती है, तो उसके गाने और ट्रेलर का दर्शकों का काफी बेसब्री से इंतजार रहता है। इन दिनों अक्षय कुमार की फिल्म 'भूत बंगला' इंटरनेट पर खूब चर्चा बटोर रही है। इस बीच मेकर्स ने फिल्म का नया गाना 'ओ सुंदरी' रिलीज कर दिया है। फिल्म का नया गाना 'ओ सुंदरी' एक शादी के जश्न पर आधारित ट्रैक है, जिसे सुनते ही लोग झूमने पर मजबूर हो जाएंगे। इस गाने में मस्ती और खुशी के पलों को खूबसूरती से दिखाया गया है। गाने की सबसे खास बात इसका म्यूजिक और एनर्जी से भरा डांस है। इसे विशाल मिश्रा, नकाश अजीज और अंतरा मित्रा ने गाया है, जबकि इसका संगीत प्रीतम ने तैयार किया है। वीडियो में अक्षय कुमार और वामिका गब्बी की केमिस्ट्री दर्शकों को देखने को मिल रही है। गाने में मिथिला की सगाई दिखाई गई है। इस दौरान अक्षय अपनी बहन के प्रति प्यार और खुशी जाहिर करते हुए जमकर डांस करते हैं। कभी वह उन्हें आशीर्वाद देते हैं, तो कभी झूमते हुए उनके साथ डांस करते दिखते हैं। यह गाना रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और दर्शकों के बीच अपनी जगह बना रहा है। निर्देशक प्रियदर्शन की इस फिल्म में पहली बार अक्षय कुमार के साथ वामिका गब्बी नजर आ रही हैं। इसके अलावा परेश रावल, राजपाल यादव, तब्बू और असरानी जैसे अनुभवी कलाकार भी फिल्म में अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। फिल्म 17 अप्रैल दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। इस फिल्म से मेकर्स को काफी उम्मीदें है।

थलापति विजय की 'जन नायकन' लीक करने पर 6 गिरफ्तार

थलापति विजय की फिल्म 'जन नायकन' के इंटरनेट पर लीक होने के मामले में तमिलनाडु साइबर क्राइम विंग ने 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। इन लोगों पर फिल्म के क्लिप्स और मूवी को ऑनलाइन लीक करने का आरोप है।मीडिया रिपोर्टस के अनुसार इन लोगों ने क्लाउड स्टोरेज और शेयर्ड ड्राइव लिंक के जरिए फिल्म को सोशल मीडिया पर फैलाया था। साइबर क्राइम विंग ने फिल्म की पायरेसी को रोकने के लिए स्पेशल टीमें बनाई थीं। इन टीमों ने अब तक इंटरनेट से 300 से ज्यादा अवैध लिंक ट्रैक करके उन्हें हटा दिया है। पुलिस गिरफ्तार किए गए लोगों के फोन और अन्य डिजिटल सबूतों की जांच कर रही है। अथॉरिटीज अभी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स, वेबसाइट्स और फाइल-शेयरिंग ऐप्स पर नजर रखे हुए हैं ताकि फिल्म को और ज्यादा लीक होने से बचाया जा सके। एक रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस ने इन आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS), आईटी एक्ट, कॉपीराइट एक्ट और सिनेमैटोग्राफ एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों ने फिल्म को शेयर करने के लिए क्लाउड स्टोरेज डिजिटल तकनीक का सहारा लिया था ताकि वे पकड़ में न आ सकें। फिलहाल सभी 6 आरोपी न्यायिक हिरासत में भेज दिए गए हैं।

प्राइम वीडियो ने एक दमदार म्यूज़िकल एक्शन ड्रामा, लुक्खे का वर्ल्डवाइड प्रीमियर 8 मई तय किया जहाँ रैप और बदला–दोनों ही ज़ोरदार हैं!

हिमांक गौर द्वारा निर्देशित और विपुल डी. शाह तथा राजेश बहल द्वारा ऑप्टिमिस्टिक्स एंटरटेनमेंट और व्हाइट गुरिल्ला LLP के बैनर तले निर्मित, ' लुक्खे पंजाब के हृदय में स्थित एक रोमांच से भरपूर एक्शन ड्रामा है लुक्खे का प्रीमियर 8 मई को प्राइम वीडियो पर विशेष रूप से हिंदी में किया जाएगा, यह सीरीज़ भारत सहित दुनिया के 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में स्ट्रीम होगी, हिमांक गौर द्वारा निर्देशित और विपुल डी. शाह व राजेश बहल द्वारा ऑप्टिमिस्टिक्स एंटरटेनमेंट और व्हाइट गुरिल्ला LLP के बैनर तले निर्मित, लुक्खे, पंजाब की पृष्ठभूमि में बनी एक रोमांचक, काल्पनिक म्यूज़िकल एक्शन ड्रामा सीरीज़ है। अग्निम जोशी और देबोजीत दास पुरकायस्थ द्वारा निर्मित और एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूस की गई इस आठ एपिसोड की सीरीज़ में राशी खन्ना मुख्य भूमिका में हैं। इसके साथ ही मशहूर भारतीय रैपर, गीतकार और गायक किंग इस सीरीज़ के जरिए अपने अभिनय करियर की शुरुआत कर रहे हैं। लुक्खे में पलक तिवारी (अपने स्ट्रीमिंग डेब्यू में) और लक्षवीर सिंह सरन भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। इनके अलावा नकुल रोशन सहदेव, कृतिका भारद्वाज, शिवांकित परिहार, योगराज सिंह और आयशा रज़ा मिश्रा अहम किरदार निभाते दिखेंगे। लुक्खे का प्रीमियर 8 मई को प्राइम वीडियो पर हिंदी में किया जाएगा, जिसे भारत सहित दुनिया के 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में विशेष रूप से स्ट्रीम किया जाएगा। प्राइम ओरिजिनल सीरीज़, लुक्खे, एक ज़बरदस्त और काल्पनिक म्यूज़िकल एक्शन ड्रामा है, जो चंडीगढ़ की धड़कती रूह पर आधारित है जहाँ रैप कल्चर, महत्वाकांक्षा और अपराध आपस में टकराते हैं। कहानी के केंद्र में बदले और मुक्ति की एक दमदार दास्तान है, जिसमें प्रतिद्वंदी रैपर्स एमसी बदनाम (किंग) और ओजी (शिवांकित) एक बेहद निजी दुश्मनी में उलझे हुए हैं, जो कला और दुश्मनी के बीच की सीमाओं को धुंधला कर देती है। ज़बरदस्त एक्शन, गोलियों की बौछार और जोशीली म्यूज़िकल एनर्जी का मेल 'लुख्खे' असल में एक ऐसी कहानी है जो दर्द, प्यार और ऊँची उम्मीदों से बनी है। इसका मूल विचार है: 'रैप और बदला, दोनों लाउड हैं।' 'प्राइम वीडियो में हम कहानी कहने के तरीकों के साथ लगातार प्रयोग करते हुए स्तर को और ऊँचा उठाने में विश्वास रखते हैं चाहे वह विभिन्न जॉनर का मेल हो, नए फॉर्मेट्स को एक्सप्लोर करना हो, या अनोखी कहानियों को सामने लाना, ' प्राइम वीडियो, इंडिया के डायरेक्टर और हेड ऑफ ओरिजिनल्स, निखिल माधोक ने कहा। 'लुक्खे हमारे लिए एक सच्चा जुनूनी प्रोजेक्ट रहा है–एक ऐसा प्रोजेक्ट जो पारंपरिक एक्शन ड्रामा की सीमाओं से कहीं आगे जाता है। हमारा उद्देश्य एक ऐसी दुनिया बनाना था, जहाँ ज़बरदस्त एक्शन, जोश भरा रैप म्यूज़िक और सच्चे, मानवीय जज़्बात एक साथ मिलकर एक बेहतरीन अनुभव दे। प्राइम वीडियो के साथ काम करने और एक बेहद टैलेंटेड व बहुमुखी कलाकारों की टीम के कारण हम इस मल्टी-जॉनर कहानी को एक ऐसे अंदाज़ में पेश कर पाए हैं, जो गहरा, दमदार और अलग महसूस होता है। हम बेहद उत्साहित हैं कि दर्शक लुक्खे को 8 मई को प्राइम वीडियो पर विशेष प्रीमियर के साथ देखेंगे। '

राम चरण

मैं सख्त पिता हूं: बच्चों को रिस्क लेना और मिट्टी में खेलना सिखाता हूं

पत्नी उपासना घर में केयरिंग रोल निभाती हैं

साउथ एक्टर राम चरण इन दिनों अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी पेरेंटिंग स्टाइल यानी बच्चों को पालने के तरीके पर खुलकर बात की। एक इंटरव्यू के दौरान राम चरण ने बताया कि वे अपने बच्चों के लिए किस तरह के पिता हैं। उन्होंने कहा, 'मैं वह पिता हूं जो बच्चों को कूदने, गंदा होने और रिस्क लेने के लिए मोटिवेट करता है। मैं चाहता हूं कि वे बेझिझक बाहर खेलें और मिट्टी में गंदे होने से न डरें।' एक्टर के मुताबिक, जब उनके बच्चों को हिम्मत की जरूरत होती है, तो वे उनके पास आते हैं। राम चरण ने अपनी पत्नी उपासना कामिनेनी के रोल के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि उनके घर में पेरेंटिंग का एक सही बैलेंस है। उपासना बच्चों के लिए ममता और केयर का सेंटर हैं। जब बच्चों को आराम और सुकून चाहिए होता है, तो वे अपनी मां के पास जाते हैं, लेकिन किसी भी मुश्किल चुनौती का सामना करने के लिए वे अपने पिता की ओर देखते हैं। एक्टर ने पेरेंटिंग को लेकर एक जरूरी सलाह भी दी। उन्होंने कहा कि बच्चे सलाह सुनने से ज्यादा अपने माता-पिता के व्यवहार को देखकर सीखते हैं। राम चरण ने कहा, 'मैं सबसे पहले एक ऐसा पिता बनना चाहता हूं जो हर पल अपने बच्चों के साथ मौजूद रहे। ' राम चरण इन दिनों अपनी फिल्म 'पेद्दी' की तैयारी में बिजी हैं। यह एक स्पोर्ट्स एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन बुच्ची बाबू सना कर रहे हैं। इस फिल्म में उनके साथ जान्हवी कपूर, शिवराजकुमार और जगपति बाबू जैसे कलाकार अहम रोल में नजर आएंगे।

दीपिका पादुकोण

ने बनाया 10,000 करोड़ कमाने का रिकॉर्ड

बालीवुड व हालीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने अपनी फिल्मों से 10 हजार करोड़ का कलेक्शन किया है। दीपिका पादुकोण की फिल्मों ने ग्लोबली बॉक्स ऑफिस पर 10, 200 करोड़ कमाए हैं। इस कलेक्शन में 8000 करोड़ इंडियन फिल्म से थे और लगभग 2200 करोड़ हॉलीवुड फिल्म से। हालांकि ये सारी दीपिका की फिल्में वूमन सेंट्रिक नहीं थीं। कुछ में उनके साथ शाहरुख खान, प्रभास और रणवीर सिंह भी थे। दीपिका जबकि पिछले 2-3 साल तक सबसे ज्यादा कमाई करने वाली एक्ट्रेस भी नहीं थीं। उनकी लास्ट दो साल में पठान, जवान और कल्कि 2898 एडी जैसी बड़ी फिल्में रिलीज हुई हैं, जिन्होंने 1000 करोड़ से ज्यादा की कमाई की है। वहीं उनकी फिल्म फाइटर और सिंघम अगेन ने 300 करोड़ क्रॉस किए थे। इस हिसाब से दीपिका ने पिछले 2-3 साल में 4000 करोड़ कमाए।

(साभार एजेंसी)

आईपीएल 2026 में 20 में से 20 बार 200 से ज्यादा का स्कोर

पावरप्ले में रन वर्षा, पांच बार 20 से कम गेंदों पर अर्धशतक

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में 20 मैच हो गए हैं और आंकड़े बताते हैं कि यह अबतक का सबसे विस्फोटक बल्लेबाजी वाला सीजन रहा है। 200 का आंकड़ा आम हो गया है। 20 मैच में 20 बार 200 से ज्यादा का स्कोर बना है। इतनी आसानी से 200 रन बनने का कारण ज्यादा छक्के लगने है। आईपीएल 2026 में छक्के लगने की दर 12.24 है। यानी लगभग हर 13 गेंद पर एक छक्का लग रहा है।

बल्लेबाज पावरप्ले का ज्यादा से ज्यादा से फायदा उठाने की कोशिश करते हैं। यही कारण है कि 5 बार बल्लेबाज अर्धशतक 20 से कम गेंद पर लगा चुके हैं। आईपीएल में पहली बार 20 मैचों के बाद रन रेट 10 रन प्रति ओवर तक पहुंच गया है। इससे पहले किसी सीजन में 20 मैच के बाद सबसे ज्यादा रन रेट 2025 में 9.52 था। रनरेट में इजाफे का कारण पावरप्ले में विस्फोटक बल्लेबाजी हैं।

- **अंत के ओवरों में रनरेट गिरा-** मिडिल-ओवर का रन रेट भी बढ़ा है, लेकिन 14 प्रतिशत से थोड़ा कम। अंत के ओवरों में रनरेट गिरा है। यह 10 रन प्रति ओवर से थोड़ा ज्यादा है। पिछले चार सालों में डेथ ओवर और पावरप्ले के बीच रन रेट में अंतर कम से कम दो रन प्रति ओवर था। इस साल यह घटकर आधा रन प्रति ओवर रह गया है। 2022 में डेथ ओवर्स में रन रेट 11.57 था। 2026 में यह 10.44 है। 2024 में 11.54, 2023 में 11.2 और 2025 में 11.39 था।
- **200 से ज्यादा का स्कोर 5 बार हासिल-** बल्लेबाजों के दबदबे का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि कितनी आसानी से 200 से ज्यादा का लक्ष्य हासिल किया गया है। पिछले साल पहले 20 मैच में 11 बार 200 से ज्यादा का स्कोर बना था। इस बार 20 बार 200 से ज्यादा का स्कोर बना है। पहले बैटिंग करने वाली टीमों ने 18 पारी में 11 बार इसे हासिल किया है। इससे भी ज्यादा खास बात यह है कि बाद में बैटिंग करने वाली टीमों के लिए लक्ष्य तक पहुंचना काफी नॉर्मल हो गया है।

10 रन प्रति ओवर

आईपीएल इतिहास में पहली बार

आईपीएल 2026 में पहले 20 मैचों के बाद रन रेट 10.00 रन प्रति ओवर तक पहुंचा है। यह किसी भी सीजन में 20 मैच के बाद का अबतक का सर्वोच्च रन रेट है। इससे पहले यह रिकॉर्ड 2025 का था, जब रन रेट 9.52 था। पावरप्ले में विस्फोटक बल्लेबाजी इस बदलाव की सबसे बड़ी वजह है।

पांच बार 20 से कम गेंदों पर अर्धशतक- आईपीएल 2026 में बल्लेबाज काफी तेजी से अर्धशतक तक पहुंच रहे हैं। अबतक 48 पचासे लगे हैं। पांच अर्धशतक 20 से कम गेंदों पर लग गए हैं।

भारत के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए

दक्षिण अफ्रीका की महिला टीम घोषित

डरबन (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका ने भारत के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए 15 सदस्यीय महिला टीम का एलान किया है। विकेटकीपर बल्लेबाज टेबोगो मचेके को पहली बार अंतरराष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया, जबकि ऑलराउंडर एलिज मारी मार्क्स की टीम में वापसी हुई है। दोनों देश 17 से 27 अप्रैल के बीच पांच टी20 मुकाबलों की सीरीज खेलेंगे।

मचेके को पहली बार मिला मौका

सीरीज का कार्यक्रम

भारत और दक्षिण अफ्रीका की महिला टीमों के बीच टी20 सीरीज के शुरुआती दो मैच 17 और 19 अप्रैल को डरबन में खेले जाने हैं। इसके बाद 22 और 25 अप्रैल को जोहानिसबर्ग अगले दो मुकाबलों की मेजबानी करेगा। सीरीज का अंतिम मैच बेनोनी में 27 अप्रैल को आयोजित होगा। टेबोगो मचेके ने कराबो मेसो की जगह ली है, जो कलाई की चोट के कारण टीम से बाहर हैं। वहीं, एलिज ने तेज गेंदबाज मसाबाता क्लास का स्थान लिया है। इस टीम की कप्तानी एल, वोलवार्ड्ट करेंगी। एनीके बॉश ने घायल डेन वैन नीकेर्क की जगह टीम में अपना स्थान बरकरार रखा है। अनुभवी तेज गेंदबाज ऑलराउंडर मारिजेन कैप अभी भी टीम के लिए उपलब्ध नहीं हैं, क्योंकि वह अपनी बीमारी से उबरने की प्रक्रिया में हैं।

- **भारत के खिलाफ सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका की महिला टीम** - एल. वोलवार्ड्ट (कप्तान), एनेके बॉश, तजमिन ब्रिट्ज, नादिने डि क्लर्क, एनेरी डर्कसेन, अमांडा हलुबी, सिनालो जाफ्टा, अयाबोंगा खाका, सुने लुस, टेबोगो माचेके, एलिज-मारी मार्क्स, नॉनकुलुलेको म्लाबा, कायला रेनेके, तुमी सेखुखुने और क्लो ट्रायोन।

फ़ीडे कैंडिडेट शतरंज राउंड 11

वैशाली नें रूस की गोर्याचकिना को हराया, खिताब की ओर कदम

साइप्रस (एजेंसी)। फ़ीडे महिला कैंडिडेट शतरंज से भारत के लिए बड़ी खबर आ रही है, भारत की आर वैशाली नें बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए आज हुए 11वें राउंड में रूस की अलेक्जेंड्रा गोर्याचकिना को केल मोहरो से एंडगेम में सटीक खेल से पराजित कर दिया, केल मोहरो से खेल रही वैशाली नें गोर्याचकिना के हाथी को अपनी शातिर चालों से कुछ यूँ फसाया की गोर्याचकिना को अपना हाथी ऊँट के बदले देना पड़ा और फिर वैशाली नें अपने राजा घोड़े और बच्चे हुए हाथी से मिलकर खेल को 45 चालों में अपने नाम कर लिया अब इस जीत से वैशाली 7 अंकों के साथ ना सिर्फ़ सबसे आगे बनी हुई बल्कि उनके पीछे चल रही चीन की जू जिनर और यूक्रेन की अन्ना मुज्यचुक से उनकी बढ़त 1 अंक की हो गई है, जू को आज भारत की आर वैशाली नें ड्रा पर रोक लिया जबकि अन्ना नें रूस की लग्नों कैटरिना से ड्रा खेला, वैशाली को अब बचे हुए तीन राउंड में चीन की जू जिनर, तान झोंगायी और रूस की लग्नों कैटरिना से मुकाबला खेलना है।

आयरलैंड दौरे पर जाएंगे वैभव सूर्यवंशी?

- **चयनकर्ताओं ने किया शॉर्टलिस्ट, डेब्यू कर तोड़ सकते हैं सचिन का रिकॉर्ड**

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के स्टार युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आ रही है। अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति ने विशेषज्ञों की लगातार मांग और आईपीएल 2026 में वैभव के विस्फोटक प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें टीम इंडिया में शामिल करने का मन बना लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक जून में होने वाले आयरलैंड दौरे के लिए वैभव का नाम शॉर्टलिस्ट किया गया है।

टूट जाएगा सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड

अगर वह इस दौरे पर डेब्यू करते हैं तो वह भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन जाएंगे और सचिन तेंदुलकर (16 साल की उम्र में डेब्यू) का ऐतिहासिक रिकॉर्ड तोड़ देंगे। बीसीसीआई के एक सूत्र ने मीडिया से बात करते हुए कहा वैभव आयरलैंड दौरे के लिए दौड़ में बने हुए हैं और सेलेक्टर्स ने कई अन्य खिलाड़ियों के साथ उनके नाम को भी शॉर्टलिस्ट किया है।

वैभव सूर्यवंशी को आजमाना चाहता है बोर्ड

सेलेक्टर्स की इस योजना से साफ है कि वे इस राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज को इंतजार करो और देखो की नीति के बजाय सीधे सीनियर टीम में फास्ट-ट्रैक करना चाहते हैं। आयरलैंड जैसी तुलनात्मक रूप से कम चुनौतीपूर्ण टीम के खिलाफ मौका देकर बोर्ड वैभव की प्रतिभा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर परखना चाहता है। वैभव सूर्यवंशी की दावेदारी को आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल का भी पूरा समर्थन मिला है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वैभव की जमकर तारीफ करते हुए लिखा, इस आईपीएल 2026 सीजन में वैभव सूर्यवंशी द्वारा क्या शानदार बल्लेबाजी प्रदर्शन देखने को मिला है। अपनी प्रतिभा और प्रदर्शन को देखते हुए यह विलक्षण बालक निश्चित रूप से भारत के लिए सबसे कम उम्र में डेब्यू करने का हकदार है। इतनी कम उम्र में इतना प्रतिभाशाली खिलाड़ी मिलना दुर्लभ है।

आईपीएल से मिली वैभव सूर्यवंशी को पहचान

वैभव का सुर्खियों में आने का सफर आईपीएल 2025 से शुरू हुआ था जब राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें 1.1 करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि में खरीदा था। उन्होंने अपने डेब्यू मैच की पहली ही गेंद पर शार्दुल ठाकुर को छक्का जड़कर अपने इरादे साफ कर दिए थे। इसके बाद गुजरात टाइटंस के खिलाफ महज 35 गेंदों में शतक जड़कर उन्होंने पूरी दुनिया को अपनी काबिलियत का लोहा मनवाया। हाल ही में अंडर-19 वर्ल्ड कप के फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ उनकी 80 गेंदों में 175 रनों की ऐतिहासिक पारी ने सेलेक्टर्स को मजबूर कर दिया कि उन्हें अब और इंतजार न कराया जाए।

आईपीएल के शेड्यूल में बदलाव, स्थानीय निकाय चुनावों के कारण दो मैचों का वेन्यू बदला

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद और गुजरात के अन्य हिस्सों में 26 अप्रैल को होने वाले नगर पालिका चुनावों का हवाला देते हुए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के कार्यक्रम में बदलाव किया। नए कार्यक्रम के अनुसार 26 अप्रैल और 21 मई को गुजरात टाइटंस और चेन्नई सुपरकिंग्स के बीच होने वाले मुकाबलों के स्थल बदल दिए गए हैं। टाइटंस और सुपरकिंग्स के बीच पहले 26 अप्रैल को अहमदाबाद में खेला जाने वाला दोपहर का मैच अब चेन्नई के एमए ??चिदंबरम स्टेडियम में होगा। यह दोपहर तीन बजकर 30 मिनट से ही खेला जाएगा। सुपरकिंग्स और टाइटंस के बीच 21 मई को शाम को होने वाला मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में स्थानांतरित कर दिया गया है और यह मैच शाम सात बजकर 30 मिनट पर शुरू होगा। बीसीसीआई ने विज्ञप्ति में कहा, अहमदाबाद और गुजरात के दूसरे हिस्सों में 26 अप्रैल 2026 को होने वाले नगर पालिका चुनावों को देखते हुए यह बदलाव जरूरी हो गया है।

प्रफुल्ल हिंगे ने IPL में रचा इतिहास

- **शोएब अख्तर समेत 8 खिलाड़ियों की बराबरी की**

नई दिल्ली। सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल 2026 के 21वें मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपनी प्लेइंग 11 में प्रफुल्ल हिंगे को शामिल किया। प्रफुल्ल ने अपने डेब्यू मैच में ही फिर वो कमाल कर दिया और आईपीएल इतिहास में किसी भी खिलाड़ी ने नहीं किया था। यही नहीं प्रफुल्ल ने शोएब अख्तर समेत 4 खिलाड़ियों की बराबरी भी कर ली।

प्रफुल्ल ने पहले ओवर में 3 विकेट लिए

प्रफुल्ल हिंगे ने राजस्थान के खिलाफ पारी के पहले ही ओवर में 3 विकेट झटके और आईपीएल इतिहास में बतौर डेब्यूटेंट पहले ओवर में 3 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बने। प्रफुल्ल ने वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल और लुआन-ड्रे प्रिटोरियस को आउट कर राजस्थान को पूरी तरह से बैकफुट पर धकेल दिया।

सचिन का रिकॉर्ड क्लासेन ने तोड़ा

आईपीएल में पहली 50 पारियों के बाद सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-7 बैटर

हैदराबाद। हैदराबाद के बैटर हेनरिक क्लासेन आईपीएल 2026 के 21वें मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अर्धशतक से चूक गए, लेकिन अपनी टीम के लिए 26 गेंदों पर 40 रन की अहम पारी खेली और इस दौरान 3 छक्के व एक चौका भी लगाया। क्लासेन ने अपनी इस पारी के दम पर सचिन तेंदुलकर का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ दिया।

हेनरिक क्लासेन ने तोड़ा सचिन का रिकॉर्ड- क्लासेन ने राजस्थान के खिलाफ 40 रन की पारी खेली और आईपीएल की पहली 50 पारियों के बाद सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में वो छठे नंबर पर आ गए। क्लासेन ने सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ा जो 1683 रन के साथ पहले छठे नंबर पर थे, लेकिन अब वो 7वें नंबर पर आ गए। इस लीग में पहले 50 पारियों के बाद सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में पहले नंबर पर क्रिस गेल हैं जिन्होंने 2236 रन बनाए थे जबकि दूसरे नंबर पर शॉन मार्श 1933 रन के साथ मौजूद हैं। तीसरे नंबर पर माइक हसी हैं जिन्होंने 1777 रन बनाए थे जबकि चौथे नंबर पर ऋतुराज गायकवाड़ 1771 रन बनाए हैं।

पहली 50 पारियों के बाद सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-7 बैटर

- 2236 रन : क्रिस गेल
- 1933 रन : शॉन मार्श
- 1777 रन : माइक हसी
- 1771 रन : ऋतुराज गायकवाड़
- 1725 रन : शेन वॉटसन
- 1704 रन : हेनरिक क्लासेन
- 1683 रन : सचिन तेंदुलकर

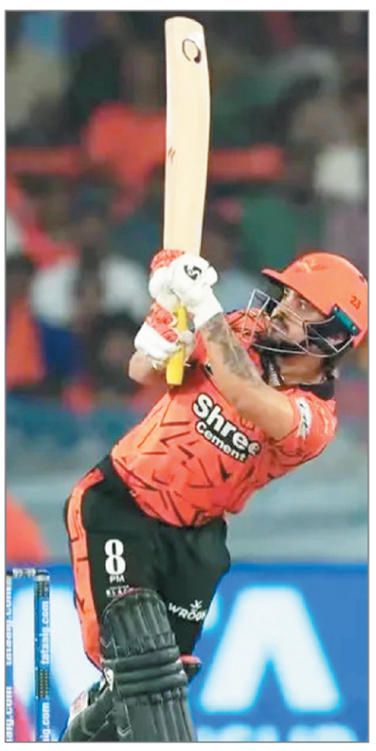

8 चौके, 6 छक्के

इशान किशन ने 200 प्लस के स्ट्राइक रेट से ठोके 91 रन

फिर भी बनाया अनचाहा रिकॉर्ड

नई दिल्ली। सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान इशान किशन ने आईपीएल 2026 के 21वें मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ बेहतरीन बल्लेबाजी की और 44 गेंद पर 91 रन ठोके। उन्होंने अपनी पारी में 8 चौके और छह छक्के लगाए और 200 प्लस के स्ट्राइक रेट से रन ठोके, लेकिन इस मैच में वह शतक से चूक गए। इशान बेहतरीन बल्लेबाजी कर रहे थे लेकिन 9 रन पीछे रह गए अपने शतक से। उन्होंने इस बेहतरीन पारी के बावजूद हैदराबाद के लिए एक अनचाहे रिकॉर्ड की लिस्ट में एंट्री कर ली है। इशान किशन सनराइजर्स हैदराबाद के लिए 90s में आउट होने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं। उनसे पहले इस लिस्ट में तीन बार डेविड वॉर्नर और एक बार जॉनी बेयरस्टो का नाम दर्ज है।

शेन वॉर्न की मौत के चार साल बाद बड़ा खुलासा

- **बेटे का दावा, बोले- कोविड के टीके के कारण हुई महान स्पिनर की मौत**

सिडनी (एजेंसी)। शेन वॉर्न के निधन के चार साल बाद उनके बेटे जैक्सन ने दावा किया है कि इस दिग्गज स्पिनर की मौत संभवतः कोविड के उन तीन या चार टीकों के कारण हुई थी, जो उन्हें 'काम करने के लिए मजबूरन लेने पड़े थे।' जैक्सन ने टू वर्ल्ड्स कोलाइड पॉडकास्ट पर बात करते हुए अपने पिता की स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं को भी स्वीकार किया। वार्न का 2022 में थाईलैंड में

दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था। उस समय उनकी उम्र 52 वर्ष थी।

तिलकरत्ने दिलशान ने किए खाटू श्याम के दर्शन

जयपुर (एजेंसी)। श्रीलंका के पूर्व दिग्गज ओपनिंग बल्लेबाज तिलकरत्ने दिलशान इन दिनों अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए नहीं बल्कि अपनी आत्मिक शांति और आध्यात्मिक यात्रा के लिए चर्चा में हैं। क्रिकेट की चकाचौंध से दूर दिलशान का यह नया अवतार उनके जीवन के एक ऐसे पहलू को उजागर करता है जो आस्था और विश्वास से गहराई तक जुड़ा हुआ है। हाल ही में भारत दौरे पर आए दिलशान ने खेल के मैदान जैसी ही ऊर्जा अब भक्ति के मार्ग पर दिखाई। अपनी इस भारत यात्रा के दौरान दिलशान ने देश के प्रसिद्ध मंदिरों में मत्था टेका। असम के प्रसिद्ध कामाख्या देवी मंदिर से लेकर राजस्थान के खाटू श्याम मंदिर तक उनकी यह यात्रा पूरी तरह श्रद्धा और भक्ति के रंग में डूबी नजर आई। इंस्टाग्राम पर अपनी इन यात्राओं की तस्वीरें साझा करते हुए उन्होंने इसे एक विशेष अनुभव बताया। दिलशान ने स्वीकार किया कि इन पवित्र स्थानों की आध्यात्मिक ऊर्जा ने उन्हें भीतर से शांत कराया है।

दिलशान ने बदला था अपना धर्म - बहुत कम लोग इस बात से वाकिफ हैं कि दिलशान का जन्म एक मुस्लिम परिवार में हुआ था और उनका नाम तुवान मोहम्मद दिलशान था। हालांकि, वयस्क होने पर उन्होंने अपनी स्वेच्छा से बौद्ध धर्म को अपनाया और अपना नाम बदलकर तिलकरत्ने दिलशान कर लिया। तब से वे बौद्ध धर्म के सिद्धांतों और अपनी आस्था के अनुसार ही जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

शानदार रहा दिलशान का करियर - तिलकरत्ने दिलशान का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर शानदार रहा है जिसमें उन्होंने तीनों फॉर्मेट में अपनी विशेष छाप छोड़ी। उन्होंने श्रीलंका के लिए 17000 से अधिक अंतरराष्ट्रीय रन बनाए।

कभी अहमद शहजाद के साथ हुआ था विवाद

दिलशान की इस भक्तिमय यात्रा ने एक पुराने विवाद को भी हवा दे दी है जो कभी पाकिस्तानी क्रिकेटर अहमद शहजाद के साथ हुआ था। एक मैच के दौरान शहजाद ने सरेआम दिलशान को धर्म परिवर्तन कर इस्लाम अपनाने की सलाह दी थी जिसे दिलशान ने बेहद मजबूती के साथ ठुकरा दिया था।

वार्ता के दौरान प्रगति हुई, गेंद अब ईरान के पाले में : अमेरिका के उपराष्ट्रपति वेंस

» वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे डी वेंस ने कहा है कि युद्ध समाप्त करने के लिए इस्लामाबाद में हुई शांति वार्ता के दौरान हमने काफी प्रगति की और अब बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए अगला कदम तेहरान को उठाना है। अमेरिका और ईरान सप्ताहांत में इस्लामाबाद में 21 घंटे तक चली लंबी शांति वार्ता के बाद किसी समझौते पर नहीं पहुंच सके। अमेरिका का कहना था कि तेहरान ने परमाणु ईंधन संवर्धन रोकने संबंधी शर्त को मानने से इनकार कर दिया। वेंस ने फॉक्स न्यूज से कहा, मैं यह नहीं कहूंगा कि चीजें गलत हुईं बल्कि मैं मानता हूं कि चीजें सही हुईं। हमने काफी प्रगति की।

अमेरिका के उपराष्ट्रपति ने कहा, वे हमारी दिशा में बढ़े। इसी वजह से मुझे लगता है कि हम कह सकते हैं कि हमें कुछ अच्छे संकेत मिले, लेकिन वे पर्याप्त आगे नहीं बढ़े। वेंस ने ईरानी प्रतिनिधिमंडल के साथ हुई इस वार्ता में विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जैरेड कुशनर वाले प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया था। ईरानी प्रतिनिधिमंडल में उसकी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बगेर गालिबफ और विदेश मंत्री अब्बास अराघची शामिल थे। वेंस ने जोर देकर कहा कि अगर ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को लेकर अमेरिका की सीमाओं का पालन किया जाता है तो यह दोनों देशों के लिए बहुत, बहुत अच्छा समझौता हो सकता है। वेंस ने कहा, क्या हमारी आगे और बातचीत होगी, क्या हम किसी समझौते तक अंततःपहुंचेंगे? मुझे लगता है कि गेंद अब ईरान के पाले में है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि पाकिस्तान में हुई शांति वार्ता अंततःइसलिए समाप्त हो गई क्योंकि ईरानी वार्ताकार किसी समझौते को अंतिम रूप नहीं दे पाए। उन्होंने कहा कि इस बातचीत से यह समझने में मदद मिली कि तेहरान में निर्णय लेने का अधिकार किसके पास है। उन्होंने कहा, हमें यह समझ आया कि वहां मौजूद टीम समझौता करने में असमर्थ थी। उन्होंने कहा, उन्हें तेहरान लौटना पड़ा ताकि या तो सर्वोच्च नेता से या किसी और से उन शर्तों पर मंजूरी ली जा सके जो हमने तय की थीं। वेंस ने कहा कि वह इस बात पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से शत प्रतिशत सहमत हैं कि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होने चाहिए। उन्होंने कहा, मैं इस बात पर राष्ट्रपति ट्रंप से शत प्रतिशत सहमत हूं कि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होने चाहिए... अगर वे पूरी दुनिया के खिलाफ आर्थिक आतंकवाद फैलाने को तैयार हैं तो सोचिए कि अगर तेहरान के पास परमाणु बम हो तो इसका क्या मतलब होगा और उनके पास क्या ताकत होगी।

अमेरिका और ईरान के प्रतिनिधि अगले सप्ताह वार्ता के लिए इस्लामाबाद में मिल सकते हैं : खबर

इस्लामाबाद। ईरान और अमेरिका को बातचीत की मेज पर फिर से लाने के लिए पाकिस्तान उच्च स्तर पर कोशिश कर रहा है और दोनों पक्ष अगले सप्ताह तक इस्लामाबाद में वार्ता के दूसरे दौर के लिए फिर से मिल सकते हैं। पाकिस्तानी मीडिया ने मंगलवार को यह खबर दी। एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार ने उच्च पदस्थ सूत्रों के हवाले से खबर दी कि अमेरिका और ईरान के बीच रुकी हुई वार्ता को फिर से शुरू करने के लिए संपर्क जारी हैं और 21 अप्रैल को दो सप्ताह के युद्धविराम की समाप्ति से पहले बातचीत दोबारा शुरू हो सकती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, उप प्रधानमंत्री इसहाक डार और फील्ड मार्शल आसिम मुनीर दूसरे दौर की वार्ता सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं, जिससे पश्चिम एशिया में युद्ध समाप्त हो सकता है। इस्लामाबाद में आयोजित कुछ उच्च स्तरीय बैठकों में, दोनों पक्षों के शीर्ष नेतृत्व के बीच वार्ता के अगले दौर की तैयारी के संकेत दिए गए हैं। अमेरिका और ईरान ने गत सप्ताहांत 47 वर्षों में पहली बार सीधी बातचीत की थी। कुछ सूत्रों ने बताया कि वार्ता का अगला दौर बृहस्पतिवार को इस्लामाबाद में हो सकता है।

ईरान-अमेरिका वार्ता का अगला दौर जल्द होने की उम्मीद : पाकिस्तान के रक्षा मंत्री

इस्लामाबाद, भाषा। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा है कि ईरान-अमेरिका वार्ता का अगला दौर जल्द होने की उम्मीद है। शनिवार को अमेरिका और ईरान के बीच हुई 21 घंटे की वार्ता 1979 के बाद अपनी तरह की पहली वार्ता थी, जिसमें दोनों पक्षों के शीर्ष अधिकारियों ने भाग लिया था। हालांकि, सप्ताहांत में पाकिस्तान में हुई इस वार्ता में दोनों पक्ष कोई स्थाई शांति समझौता करने में विफल रहे। आसिफ ने सोमवार को संसद भवन के बाहर मीडिया से बातचीत में कहा कि वार्ता के बाद इस बात का थोड़ा संतोष है कि अब तक कोई नकारात्मक घटनाक्रम नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि केवल सकारात्मक प्रगति ही दिखी है जिससे संकेत मिलता है कि राजनयिक प्रयास रचनात्मक दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इस बीच चीन के विदेश मंत्री वांग ई ने सोमवार को अपने पाकिस्तानी समकक्ष इशाक डार के साथ एक बातचीत में कहा कि पश्चिम एशिया में अमेरिका-ईरान संघर्ष को फिर से भड़कने से रोकने और युद्धविराम को बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास करना सर्वोच्च प्राथमिकता है। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय के अनुसार, डार ने वांग से टेलीफोन पर बातचीत की और हाल ही में संपन्न हुई इस्लामाबाद वार्ता पर विचार-विमर्श किया। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार वांग ने कहा कि पश्चिम एशिया में संघर्ष को फिर से भड़कने से रोकने और युद्धविराम को बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास करना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

शी चिनफिंगने (यूएई) के अबू धाबी के युवराज शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाह्यान से मुलाकात

शी चिनफिंग ने पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र के सभी देशों की संप्रभुता के सम्मान का आह्वान किया

» बीजिंग, भाषा।

चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने मंगलवार को कहा कि पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र के देशों की संप्रभुता, सुरक्षा एवं क्षेत्रीय अखंडता का पूरा सम्मान किया जाना चाहिए। शी ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अबू धाबी के युवराज शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाह्यान से मुलाकात के दौरान कहा कि सभी देशों के कर्मियों, प्रतिष्ठानों और संस्थानों की सुरक्षा प्रभावी तरीके से सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र के लिए साझा, व्यापक, सहयोगात्मक और टिकाऊ सुरक्षा ढांचे के निर्माण की भी वकालत की।

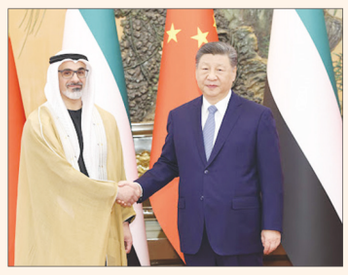

शी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून के शासन का प्राधिकार बरकरार रखा जाना चाहिए, ताकि दुनिया फिर से जंगलराज की स्थिति में न लौटे। उन्होंने कहा कि विकास और सुरक्षा के बीच समन्वय होना चाहिए। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र के देशों के विकास के लिए अनुकूल माहौल बनाने के मकसद से सभी पक्षों को मिलकर काम करना चाहिए। अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच जारी युद्ध पर यह शी की पहली टिप्पणी है। इस युद्ध का असर यूएई समेत खाड़ी के कई देशों पर भी पड़ा है। यूएई के युवराज अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच युद्ध शुरू होने के बाद चीन का दौरा करने वाले पश्चिम एशिया के पहले नेता हैं। ईरान पर अमेरिका के हमलों की चीन आलोचना करता रहा है और शत्रुता समाप्त करने की अपील करता रहा है।

तुर्किए में पूर्व छात्र ने स्कूल पर गोलीबारी की, 16 लोग घायल हमलावर ने खुद को भी मारी गोली

अंकारा, भाषा। दक्षिणपूर्वी तुर्किए के एक वोकेशनल हाई स्कूल में मंगलवार को एक पूर्व छात्र ने अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें कम से कम 16 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि हमलावर ने बाद में खुद को भी गोली मारकर जान दे दी। सानलिउर्फा के राज्यपाल हसन सिल्दाक ने बताया कि 18 वर्षीय हमलावर के पास एक शॉटगन थी और उसने सानलिउर्फा प्रांत के सिवेरेक स्थित इस स्कूल में अंधाधुंध गोलीबारी की और फिर उसी इमारत के अंदर छिप गया। उन्होंने बताया कि हमलावर ने बाद में उसी बंदूक से खुद को गोली मारकर अपनी जान ले ली। सिल्दाक ने बताया कि इस हमले में 10 छात्र, चार शिक्षक, कैंटीन का एक कर्मचारी तथा एक पुलिस अधिकारी घायल हो गए। उन्होंने बताया कि अधिकांश घायलों का इलाज सिवेरेक में किया जा रहा है जबकि गंभीर रूप से घायल शिक्षकों और छात्रों को प्रांतीय राजधानी के एक अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है। इस हमले का मकसद अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। इससे पहले मीडिया में आई खबरों के अनुसार, हमलावर के आत्मसमर्पण करने से इनकार करने के बाद पुलिस की विशेष अभियान इकाइयों को तैनात किया गया जबकि सभी छात्रों को परिसर से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

पश्चिम एशिया युद्ध: रातोंरात समझौते नहीं होते, बातचीत जारी रहनी चाहिए : गुतारेस

संयुक्त राष्ट्र, भाषा। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंतोनियो गुतारेस ने ईरान और अमेरिका के बीच रचनात्मक बातचीत जारी रखने के आह्वान के साथ ही इस बात पर जोर भी दिया है कि पश्चिम एशिया संघर्ष पर दोनों देशों के बीच हुई बातचीत बिना किसी समझौते के समाप्त होने के बाद भी युद्धविराम को हर हाल में बरकरार रखा जाना चाहिए। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे डी वेंस के नेतृत्व में अमेरिका और ईरान के बीच पाकिस्तान में शनिवार को 21 घंटे तक बातचीत हुई हालांकि इसमें युद्ध समाप्त करने को लेकर कोई समझौता नहीं हो सका। संयुक्त राष्ट्र महासचिव गुतारेस के प्रवक्ता द्वारा सोमवार को जारी एक बयान में कहा गया, हालांकि पाकिस्तान द्वारा इस्लामाबाद में आयोजित वार्ता में अमेरिका और ईरान के बीच कोई समझौता नहीं हुआ, लेकिन चर्चाओं ने स्वयं उनकी प्रतिबद्धता की गंभीरता को रेखांकित किया और नए सिरे से संवाद की दिशा में एक सकारात्मक और सार्थक कदम उठाया गया। वेंस ने इस्लामाबाद में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा था, उन्होंने हमारी शर्तें स्वीकार नहीं की हैं....हम देखेंगे कि हमारे प्रस्ताव को ईरानी स्वीकार करते हैं या नहीं। गुतारेस ने कहा कि गहरे मतभेदों को देखते हुए रातोंरात समझौता नहीं हो सकता और उन्होंने समझौते तक पहुंचने के लिए रचनात्मक रूप से बातचीत जारी रखने का आह्वान किया। गुतारेस ने कहा साथ ही, युद्धविराम को पूरी तरह से बरकरार रखा जाना चाहिए। सभी प्रकार के उल्लंघन बंद होने चाहिए। उन्होंने कहा कि हफ्तों की तबाही और संकट के बाद यह स्पष्ट है कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष का कोई सैन्य समाधान नहीं है। पिछले हफ्ते, अमेरिका और ईरान ने दो सप्ताह के युद्धविराम की घोषणा की थी।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल में नव वर्ष 2083 का स्वागत हर्षोल्लास के साथ किया गया,प्रधानमंत्री ने लोगों को शुभकामनाएं दीं

» काठमांडू, भाषा।

नेपाल में मंगलवार को विक्रम संवत कैलेंडर के अनुसार नव वर्ष 2083 का स्वागत हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। बैसाख। जिसे बैसाख संक्रांति भी कहा जाता है, विक्रम संवत (बीएस) कैलेंडर के वर्ष परिवर्तन का प्रतीक है, जो सौर गति पर आधारित सबसे प्राचीन कैलेंडरों में से एक है। इस अवसर पर लोग मंदिरों में दर्शन करते हैं, भजन-कीर्तन करते हैं, सामुदायिक कार्यक्रम आयोजित करते हैं और एक-दूसरे को शुभकामनाएं देते हैं।

नेपाल के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह बालेन ने इस अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं दीं। रैपर से राजनेता बने बालेन्द्र ने कहा, नव वर्ष 2083 के शुभारंभ के अवसर पर मैं सभी को सुख, शांति और समृद्धि की शुभकामनाएं देता हूं। राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने अपने नव वर्ष संदेश में देश के लोगों से साझा राष्ट्रीय लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें प्राप्त करने के प्रति प्रतिबद्ध रहने का आह्वान किया। हिमालयन टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार उपराष्ट्रपति रामसहाय प्रसाद यादव ने भी लोगों को शुभकामनाएं दीं और देशवासियों से नव वर्ष का उपयोग सकारात्मक सोच,अनुशासन और भाईचारे को बढ़ावा देने के अवसर के रूप में करने का आग्रह किया।

बांग्लादेशी नागरिक पर लोगों को अवैध तरीके अमेरिका लाने की साजिश का आरोप

» न्यूयॉर्क, भाषा।

सेंट्रल अमेरिका के रास्ते कई लोगों को अवैध तरीके से अमेरिका लाने की साजिश में शामिल होने के आरोप में एक बांग्लादेशी नागरिक को ब्राजील से प्रत्यर्पित किया गया है। सैफ उल इस्लाम (39) को टेक्सास के लारेडो में सोमवार को अदालत में पेश किया गया। टेक्सास के सदर्न डिस्ट्रिक्ट में एक अभ्यारोपण में इस्लाम पर एक व्यक्ति को गैर-कानूनी तरीके से अमेरिका लाने की साज़िश रचने और वित्तीय लाभ के लिए लोगों को सेंट्रल अमेरिका के रास्ते अमेरिका लाने के कई मामलों में आरोप लगाया गया है।

अदालती दस्तावेजों के अनुसार, इस्लाम ने एक व्यापक मानव तस्करी अभियान में भाग लिया और साओ पाउलो, ब्राजील और दक्षिण अमेरिका, सेंट्रल अमेरिका और मैक्सिको के अन्य स्थानों से व्यक्तियों की यात्रा को सुविधाजनक बनाकर अन्य तस्करों की सहायता की ताकि वे अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश कर सकें। लोगों को दक्षिणी सीमा पर लाया गया और उन्हें रियो ग्रांडे नदी को पार करके या सीमा की बाड़ को फांदकर अमेरिका में प्रवेश करने को कहा गया। उसे कम से कम तीन या पांच साल की अनिवार्य कारावास की सजा का सामना करना पड़ सकता है और अधिकतम सजा 15 साल की हो सकती है।

लेबनान-इजराइल वार्ता से दूरी बनाएगा हिज्बुल्ला, समझौतों को मानने से इनकार

» बेरूत, भाषा।

लेबनान के चरमपंथी समूह हिज्बुल्ला ने अमेरिका में लेबनान और इजराइल के बीच होने वाली प्रत्यक्ष वार्ताओं के परिणामस्वरूप होने वाले किसी भी समझौते को मानने से इनकार कर दिया है। चरमपंथी समूह के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। हिज्बुल्ला की राजनीतिक परिषद के उच्चस्तरीय सदस्य वाफिक सफा ने वाशिंगटन में लेबनान और इजराइल के राजदूतों के बीच संभावित वार्ताओं की पूर्व संध्या पर यह बात कही। दशकों में ऐसा पहली बार होगा जब दोनों देशों के राजदूत आमने-सामने बैठकर वार्ता करेंगे। दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध नहीं हैं। सफा ने समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस से कहा, लेबनान और दुश्मन इजराइल के बीच इस वार्ता के परिणामों की जहां तक बात है तो हम उनकी कतई परवाह नहीं करते और न ही हम इसे लेकर किसी तरह चिंतित हैं। उन्होंने विदेशी मीडिया से बात करते हुए कहा, उनके बीच जो भी समझौता हो, वह हम पर बाध्यकारी नहीं होगा। लेबनानी अधिकारी इस वार्ता के जरिए इजराइल-हिज्बुल्ला संघर्ष में युद्धविराम कराने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का कहना है कि उनका लक्ष्य हिज्बुल्ला का निरस्त्रीकरण और लेबनान-इजराइल के बीच संभावित शांति समझौता है।

यूक्रेन-जर्मनी रक्षा प्रणालियों का उत्पादन संयुक्त रूप से करने की योजना बनाने में जुटे

» बर्लिन, भाषा।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने मंगलवार को कहा कि यूक्रेन और जर्मनी उन्नत ड्रोन और युद्ध के मैदान में खरी पाई गईं अन्य रक्षा प्रणालियों का उत्पादन संयुक्त रूप से करने की योजना पर काम करने जा रहे हैं। कीव रूस के व्यापक आक्रमण के खिलाफ अपने चार साल से अधिक के संघर्ष को तेज करने की तैयारी में है। बर्लिन दौरे के दौरान जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में जेलेंस्की ने कहा, हमने जर्मनी को एक द्विपक्षीय ड्रोन समझौते का प्रस्ताव दिया है जिसमें विभिन्न प्रकार के ड्रोन, मिसाइल, सॉफ्टवेयर और आधुनिक रक्षा प्रणालियां शामिल हैं।

हमारी टीमें इस दिशा में ठोस काम शुरू कर रही हैं। मर्ज ने कहा कि कीव के युद्ध प्रयासों में जर्मनी का समर्थन रूस के लिए एक बहुत स्पष्ट संकेत है। उन्होंने कहा, हम यूक्रेन की रक्षा के अपने प्रयासों में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। ट्रंप प्रशासन का ध्यान ईरान से युद्ध पर केंद्रित होने से, यूक्रेन पर रूस के हमले को समाप्त करने के लिए अमेरिका के नेतृत्व में किए जा रहे राजनयिक प्रयास हाल ही में फीके पड़ गए हैं। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी उप राजदूत टैमी ब्रूस ने सोमवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को बताया कि वाशिंगटन समझौते के माध्यम से युद्ध के स्थाई अंत के लिए प्रयास जारी रखेगा। रूस ने अब तक यूक्रेन के लगभग 20 प्रतिशत हिस्से पर कब्जा कर लिया है। इसमें क्रीमिया प्रायद्वीप भी शामिल है, जिसे रूस ने 2014 में अपने कब्जे में ले लिया था। जेलेंस्की के अनुसार, यूक्रेन में वर्तमान में तैनात सैन्य उपकरणों की तुलना में दोगुनी उत्पादन क्षमता है, लेकिन उत्पादन बढ़ाने के लिए उसके पास धन की कमी है। उन्होंने कहा, हमारे पास पर्याप्त धन नहीं है। इस क्षमता को साकार करने की कुंजी यूरोपीय संघ की ओर से वादा किए गए 90 अरब यूरो (106 अरब डॉलर) के ऋण को प्राप्त करने में निहित है। हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओर्बन के कारण यह ऋण रुका हुआ था, लेकिन सप्ताहांत में होने वाले चुनाव के बाद उनके पद छोड़ने से यह धन उपलब्ध हो सकता है। मर्ज ने कहा कि यूक्रेन को इन निधियों की तत्काल आवश्यकता है। जेलेंस्की बर्लिन के बाद दूसरे अहम सैन्य सहयोगी देश नार्वे के लिए रवाना होंगे। इस बीच, क्षेत्रीय अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि पूर्वी यूक्रेनी शहर निप्रो पर रूसी मिसाइल हमले में चार लोग मारे गए और 21 लोग घायल हो गए जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें से 10 की हालत गंभीर है। शहर के अटॉर्नी जनरल के कार्यालय ने बताया कि सभी पीड़ित असैन्य नागरिक थे और हमले वाली जगह से गाड़ी चलाकर या पैदल गुजर रहे थे। यह शहर कीव से 485 किलोमीटर (300 मील) दक्षिण-पूर्व में स्थित है। अधिकारियों ने बताया कि दक्षिणी शहर खेरसोन में भी रूसी ड्रोन हमले में एक 52 वर्षीय महिला की मौत हो गई और एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया।

भारत-जर्मनी विदेश कार्यालय वार्ताओं के लिए बर्लिन पहुंचे विदेश सचिव मिसरी

लंदन, भाषा। विदेश सचिव विक्रम मिसरी मंगलवार को बर्लिन पहुंचे, जहां वह जर्मन अधिकारियों के साथ व्यापार, निवेश, रक्षा, सुरक्षा, प्रौद्योगिकी, हरित ऊर्जा तथा अन्य प्रमुख वैश्विक व क्षेत्रीय मुद्दों पर बातचीत करेंगे। जर्मनी में भारतीय दूतावास ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, विदेश सचिव विक्रम मिसरी भारत-जर्मनी विदेश कार्यालय परामर्श के लिए बर्लिन पहुंचे हैं। पोस्ट में आगे कहा गया है, यह यात्रा जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज की जनवरी 2026 में भारत की सफल यात्रा के बाद हो रही है। यह भारत और जर्मनी के बीच लगातार उच्च-स्तरीय संपर्क को दर्शाती है।

भारत के साथ संबंधों को बेहतर बनाने की नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है : चीन

» बीजिंग, भाषा।

चीन ने अरुणाचल प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के लिए नए नाम प्रकाशित करने के अपने कदम का बचाव करते हुए मंगलवार को कहा कि भारत के साथ संबंधों को बेहतर बनाने की उसकी नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। भारत ने चीन द्वारा भारतीय क्षेत्र को काल्पनिक नामै देने के प्रयासों को रविवार को सिरे से खारिज कर दिया और कहा कि इस तरह के बेबुनियाद विमर्श गढ़ने की कोशिशें वास्तविकतौ को नहीं बदल सकतीं और द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य बनाने के प्रयासों को पटरी से उतार सकती हैं। भारत की तीखी प्रतिक्रिया बीजिंग द्वारा अक्साई चिन में एक तीसरा नया प्रशासनिक क्षेत्र स्थापित करने की पृष्ठभूमि में आई है। इस इलाके को भारत अपना संप्रभु क्षेत्र मानता है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, चीन की ओर से भारत के क्षेत्रों का काल्पनिक नाम देने के किसी भी प्रयास को भारत सिरे से खारिज करता है। जायसवाल की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए, चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने यहां प्रेस वार्ता में कहा कि जांगनान चीन का क्षेत्र है, और चीन ने कभी भी तथाकथित अरुणाचल प्रदेश को मान्यता नहीं दी है। जांगनान अरुणाचल प्रदेश का चीनी नाम है। चीन अरुणाचल प्रदेश को दक्षिणी तिब्बत का हिस्सा होने का दावा करता है।गुओ ने अरुणाचल प्रदेश के लिए नाम प्रकाशित करने के बीजिंग के कदम का बचाव करते हुए कहा कि जांगनान क्षेत्र में कुछ स्थानों के नामों को मानकीकृत करना पूरी तरह से चीन की संप्रभुता के अंतर्गत आता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में चीन-भारत संबंध सामान्यतः स्थिर हैं। गुओ ने कहा कि चीन-भारत संबंधों को बेहतर बनाने और विकसित करने के लिए चीन की नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। गुओ ने कहा, हम आशा करते हैं कि दोनों पक्ष एक ही दिशा में काम करेंगे और द्विपक्षीय संबंधों के लिए अधिक अनुकूल कदम उठाएंगे। चीन के शिनजियांग उइगुर स्वायत्त क्षेत्र ने 26 मार्च को सेनलिंग काउंटी के गठन की घोषणा की, जो पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) और अफगानिस्तान के निकट स्थित एक रणनीतिक क्षेत्र है। यह भारत से लगी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पश्चिमी क्षेत्र के भी करीब है। काराकोरम पर्वत श्रृंखला के निकट स्थित सेनलिंग, मुख्य रूप से मुस्लिम उइगुर बहुल क्षेत्र शिनजियांग में चीन द्वारा स्थापित तीसरा नया काउंटी है।

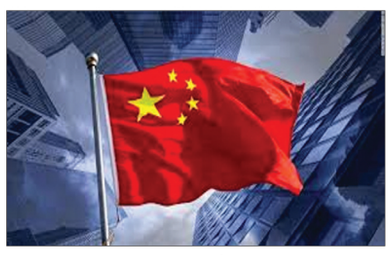

कनाडा के प्रधानमंत्री कार्नी ने विशेष चुनावों में जीत हासिल करके बहुमत वाली सरकार बनाई

टोरंटो, भाषा। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने सोमवार रात विशेष चुनाव में जीत हासिल करके अपनी सरकार के लिए बहुमत सुनिश्चित कर लिया। इससे उनकी लिबरल पार्टी अब बिना विपक्षी दलों के समर्थन के भी कानून पारित कर सकेगी। मतदाताओं ने 343 निर्वाचन क्षेत्रों में से तीन रिक्त सीट के लिए मतदान किया। टोरंटो में, लिबरल पार्टी उम्मीदवार डेनियल मार्टिन ने यूनिवर्सिटी रोजडेल जिले से चुनाव जीता और लिबरल पार्टी उम्मीदवार डॉली बेगम ने स्कारबोरो साउथवेस्ट जिले से जीत हासिल की। क्यूबेक जिले के परिणाम बाद में आने की उम्मीद है। सोमवार के नतीजों के बाद लिबरल पार्टी 2029 तक सत्ता में बनी रह सकती है। कार्नी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की विलय की धमकियों के कारण जनता में उपजे गुस्से के बीच पिछले साल कनाडा में जीत हासिल की थी। तब से, मुख्य विपक्षी कंजर्वेटिव पार्टी के चार सदस्यों सहित विपक्षी दलों से पांच सदस्यों ने दल-बदल किया है और इन घटनाक्रम ने कार्नी की लिबरल पार्टी को बहुमत के कगार पर पहुंचा दिया। कार्नी ने सोशल मीडिया पोस्ट में मार्टिन और बेगम को बधाई दी, लेकिन बहुमत हासिल करने पर कोई टिप्पणी नहीं की। मार्टिन ने कहा, आज रात, मार्क कार्नी और हमारी पूरी शानदार लिबरल टीम ने एक बेहतर कनाडा के निर्माण को जारी रखने के लिए और भी मजबूत जनादेश प्राप्त कर लिया है।

हंगरी के लोग कह रहे थे, हम मुद्रास्फीति, अर्थव्यवस्था और युद्ध से जूझ रहे मैट श्लैप

हंगरी के चुनाव में प्रधानमंत्री विक्टर ओर्बन की हार का अमेरिका में असर

» वाशिंगटन, भाषा।

यूरोप के छोटे से देश हंगरी में सप्ताहांत में चुनाव हुए, जो वाशिंगटन से काफी दूर है, लेकिन इसमें प्रधानमंत्री विक्टर ओर्बन की हार का असर अमेरिका में भी पड़ने की संभावना है। ऐसा इसलिए क्योंकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और कई अन्य अमेरिकी नेता लंबे समय से ओर्बन के समर्थक रहे हैं, जो अपने प्रवासी-विरोधी रुख के कारण वैश्विक दक्षिणपंथियों के बीच एक प्रतीक बन गए। अमेरिकी राष्ट्रपति का एजेंडा हंगरी के नेता द्वारा सरकार के साधनों का उपयोग करके मीडिया, न्यायपालिका और चुनावी प्रणाली को प्रभावित करने के तरीके से काफी मिलता-जुलता है, ताकि उनकी पार्टी 16 वर्षों तक सत्ता में बनी रहे।

ट्रंप ने ओर्बन के पुनर्निर्वाचन अभियान का समर्थन किया था और यहां तक कि पिछले सप्ताह ईरान युद्ध के बीच उपराष्ट्रपति जे डी वेंस को बुडापेस्ट भेजा ताकि वे मौजूदा प्रधानमंत्री का समर्थन कर सकें। ओर्बन की हार इस बात की याद दिलाती है कि युद्ध ने विदेशों में सहयोगी नेताओं की मदद करने की ट्रंप की क्षमता को कितना कम कर दिया है। साथ ही यह भी कि विश्वभर में सभी विचारधाराओं के मौजूदा नेताओं के प्रति असंतोष के इस दौर में, नेताओं के लिए अपनी शक्ति का उपयोग करके मतदान को अपने पक्ष में मोडने की क्षमता सीमित हो गई है। हार्वर्ड विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर और हाउ डेमोक्रेसीज डाई पुस्तक के सह-लेखक स्टीवन लेविट्स्की ने कहा, विपक्ष असमान परिस्थितियों के बावजूद जीत सकता है। दुनिया के कई हिस्सों में लोकतंत्र कई चुनौतियों का सामना कर रहा है, लेकिन निरंकुश शासन भी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। ओर्बन की हार के तत्काल वैश्विक परिणाम होंगे क्योंकि वह रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सबसे करीबी यूरोपीय नेता थे और उन्होंने यूक्रेन को यूरोपीय संघ की सहायता रोक दी थी, जो 2022 में रूस के आक्रमण के बाद से अपना बचाव कर रहा है। रविवार को डेमोक्रेट और रिपब्लिकन दोनों ने ही ओर्बन के पतन का जश्न मनाया, जिनमें से कुछ ने हंगरी के नेता के प्रति इस तरह के खुले समर्थन के लिए अपने ही प्रशासन की आलोचना की। नेब्रास्का के रिपब्लिकन सांसद डॉन बेकन ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, अन्य लोकतंत्रों के चुनावों में दखलंदाजी न करें। मिसिसिपी के रिपब्लिकन सीनेटर रोजर विकर ने पोस्ट किया, हंगरी की स्वतंत्रता-प्रेमी जनता ने लोकतंत्र और कानून के शासन के पक्ष में निर्णायक रूप से मतदान किया है। वेंस ने सोमवार को फॉक्स न्यूज से कहा, हम इसलिए वहां गए क्योंकि यह करना सही था। अमेरिकन कंजर्वेटिव यूनियन के अध्यक्ष मैट श्लैप ने कहा कि ओर्बन की हार का एक सीधा सा कारण है। उन्होंने कहा, अंततः, लोकतंत्र केवल बदलाव चाहता है। लोकतंत्र में राजा नहीं होते और अंत में जनता ही अपनी बात रखती है। श्लैप ने कहा, हंगरी के लोग कह रहे थे, हम मुद्रास्फीति, अर्थव्यवस्था और युद्ध से जूझ रहे हैं। चलो किसी नए व्यक्ति को मौका देते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वह ट्रंप के ईरान युद्ध का समर्थन करते हैं, लेकिन इससे पैदा हुई उथल-पुथल, खासकर यूरोपीय ऊर्जा बाजारों में पड़े असन ने ऑर्बन को नुकसान पहुंचाया।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, जोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com